सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

" कलम तभी सुंदर लिखती है, जब वह थोड़ा झुकना सीखती है... ठीक उसी तरह, जीवन में इंसान भी नम्रता से ही आगे बढ़ता है। "

अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–84 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, मंगलवार 14 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

बिसरा दी गई वीरांगनाओं को समर्पित रहेगा स्वयंसिद्धा का स्थापना दिवस

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ की अग्रणी महिला संस्था स्वयंसिद्धा के 16वें स्थापना दिवस की तैयारी जोर–शोर से जारी है। 18 अप्रैल शनिवार को शाम 6:00 बजे रठऋ ऑडिटोरियम सेक्टर 4 में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की भूली बिसरी वीरांगनाओं को समर्पित रहेगा जिन्होंने अपने प्राणों का बलिदान दिया और इतिहास में अमर हो गए लेकिन आम जनता उनके नाम से वाकिफ भी नहीं।

संस्था की अध्यक्ष डॉ. सोनाली चक्रवर्ती ने बताया कि इस वर्ष एक नूतन प्रयोग के तहत कविताओं का मंचन किया जाएगा।

"स्त्री शक्ति है स्त्री की" अभियान के तहत 31 संस्थाओं को स्वयंसिद्धा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा जो समाज में नवजागरण एवं जन जागरूकता के उल्लेखनीय कार्य कर रही हैं।'अब बेटी के नाम से जानी जाएगी मां" अभियान के तहत इस वर्ष देबजानी मजूमदार,राजश्री नायर, संगीता जायसवाल, कुदसिया अली, रूखसाना शेख एवं आंचल चक्रवर्ती अपनी माताजी के नाम से छत्तीसगढ़ की 6 महिला विभूतियों को सम्मानित करेंगी।

उल्लेखनीय है कि स्वयंसिध्दा 20 वर्षो से अधिक से घरेलू महिलाओं की प्रतिभा को मंच एवं सम्मान देने का अनुकरणीय कार्य कर रही है जिसके तहत यह महिलाएं मध्य व्यसी अवसाद एवं तनाव से बाहर निकल जागरूकता दूत बनकर सामाजिक सरोकार के कार्यों में अपना समय व सहयोग दे रही है ।इस कार्यक्रम में 51 महिला कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।

उपायुक्त सह नोडल अधिकारी डीएस कोसरिया ने जनगणना प्रशिक्षण केंद्रों का किया औचक निरीक्षण

भिलाई । आगामी जनगणना कार्यो की सटीकता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा प्रगणकों और पयर्वेक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सोमवार को उपायुक्त सह नोडल अधिकारी (जनगणना) डी.एस. कोसरिया ने जोन 04 शिवाजी नगर तथा जोन 02 वैशाली नगर क्षेत्रांतर्गत संचालित प्रशिक्षण केंद्रों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने प्रशिक्षण हॉल में उपस्थित प्रगणकों से चर्चा की और जनगणना फॉर्म भरने की तकनीकी बारीकियों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने प्रशिक्षकों को निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रगणक को डिजिटल और मैन्युअल डेटा प्रविष्टि के संबंध में स्पष्ट जानकारी दी जाए ताकि मैदानी कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की त्रुटि न हो ।

उपायुक्त ने जोन स्तर के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसमें हर परिवार की सटीक जानकारी दर्ज करना अनिवार्य है। उन्होंने प्रशिक्षण केंद्रों में बुनियादी सुविधाओं, जैसे पेयजल और बैठक व्यवस्था का भी अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान संबंधित जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, सहायक राजस्व अधिकारी एवं जनगणना कार्य से जुड़े अन्य कमर्चारी उपस्थित थे। आयुक्त के निर्देशानुसार, आगामी दिनों में अन्य जोन क्षेत्रों के प्रशिक्षण केंद्रों का भी इसी प्रकार निरीक्षण किया जाएगा ताकि शत–प्रतिशत त्रुटिरहित डेटा संकलन सुनिश्चित हो सके।

हनीट्रैप के जाल में रचा गया अपहरण, चंद घंटों में पर्दाफाश : भांजा ही निकला मास्टरमाइंड

अम्लेश्वरी पुलिस ने पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अमलेश्वर क्षेत्र में हनीट्रैप के जरिए रची गई अपहरण की साजिश का दुर्ग पुलिस ने चंद घंटों में खुलासा कर सनसनी फैला दी। नाबालिग के अपहरण के इस मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह सामने आई कि पूरे षड्यंत्र का मास्टरमाइंड पीड़ित परिवार का परिचित और भांजा ही निकला। पुलिस ने त्वरित कारर्वाई करते हुए 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और अपहृत बालक को सकुशल बरामद कर लिया गया है।

घटना 12 अप्रैल 2026 की है, जब प्रार्थी ने थाना अमलेश्वर में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके नाबालिग पुत्र को मोटरसाइकिल बनवाने के बहाने तिरंगा चौक बुलाकर अज्ञात लोगों ने अपहरण कर लिया। घटना के बाद आरोपियों ने मोबाइल के जरिए संपर्क कर धमकी दी, जिससे मामला और गंभीर हो गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना अमलेश्वर पुलिस, साइबर सेल और एसीसीयू टीम की संयुक्त टीम तत्काल सक्रिय हुई। मोबाइल लोकेशन, कॉल डिटेल और मुखबिर की सूचना के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। जांच के दौरान आरोपियों की लोकेशन धमतरी क्षेत्र में मिलने पर वहां की पुलिस से समन्वय स्थापित कर संयुक्त दबिश दी गई और घेराबंदी कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ में खुलासा हुआ कि मुख्य आरोपी संजय साहू ने महिला आरोपी हेम पुष्पा साहू के माध्यम से हनीट्रैप की योजना बनाई थी। योजनाबद्ध तरीके से नाबालिग को झांसे में लेकर अन्य साथियों के साथ मिलकर अपहरण की वारदात को अंजाम दिया गया। आरोपियों ने आर्थिक लाभ और फिरौती के उद्देश्य से इस अपराध को अंजाम देना स्वीकार किया है।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से एक सेंट्रो कार और 6 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। मामले में भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है। इस पूरी कारर्वाई में अमलेश्वर थाना पुलिस, साइबर सेल, एसीसीयू टीम और धमतरी पुलिस की संयुक्त टीम की सराहनीय भूमिका रही, जिन्होंने त्वरित और समन्वित कारर्वाई कर नाबालिग को सुरक्षित बरामद किया। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे सोशल मीडिया और अज्ञात व्यक्तियों के संपर्क में सतर्क रहें तथा हनीट्रैप जैसे मामलों से बचें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की गई है।

रायपुर में नकली पनीर के कारोबार का भंडाफोड़

दो फैक्ट्रियों पर छापा, 1000 किलो से ज्यादा पनीर गड्ढे में दफन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

शादी–ब्याह के सीजन में मुनाफाखोरी के खेल का बड़ा खुलासा राजधानी रायपुर में हुआ है, जहां खाद्य एवं औषधि प्रशासन की विशेष टीम ने भाठागांव और उरला स्थित दो फैक्ट्रियों पर एक साथ दबिश देकर नकली (एनालॉग) पनीर के बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश किया। कारर्वाई के दौरान एक हजार किलो से ज्यादा संदिग्ध पनीर जब्त कर उसे मौके पर ही गड्ढे में दबाकर नष्ट कर दिया गया, जबकि दोनों फैक्ट्रियों से सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं।

खाद्य विभाग को लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर यह बड़ी कारर्वाई की गई। जांच में सामने आया कि शादी के सीजन में पनीर की मांग दो से तीन गुना तक बढ़ने का फायदा उठाते हुए कुछ डेयरी संचालक ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए एनालॉग पनीर तैयार कर रहे थे, जो स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।भाठागांव स्थित केएलपी मिल्क एंड प्रोडक्ट फैक्ट्री में छापे के दौरान भारी अनियमितताएं सामने आईं। यहां लगभग 540 किलो पनीर जब्त किया गया। जांच टीम को निर्माण स्थल पर गंदगी, अस्वच्छ वातावरण और संदिग्ध तरीके से पनीर बनाने की प्रक्रिया मिली। खास तौर पर दूध पाउडर को जमा कर फाड़ने की तकनीक को अधिकारियों ने संदेह के घेरे में रखा है। स्थिति को गंभीर मानते हुए फैक्ट्री में तत्काल उत्पादन बंद करा दिया गया और लाइसेंस निलंबन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

वहीं उरला स्थित एसजे मिल्क एंड डेयरी प्रोडक्ट में भी छापेमारी के दौरान करीब 500 किलो पनीर जब्त किया गया। यहां साफ–सफाई की स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर पाई गई, लेकिन निर्माण प्रक्रिया और गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने पर संचालक को सुधार के लिए नोटिस जारी किया गया। दोनों फैक्ट्रियों से जब्त किए गए पनीर को सुरक्षित स्थान पर ले जाकर बड़े गड्ढे में दबाकर नष्ट किया गया, ताकि यह बाजार में न पहुंच सके। अधिकारियों ने बताया कि सैंपल की जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित संचालकों के खिलाफ कड़ी कानूनी कारर्वाई की जाएगी।

इस पूरी कारर्वाई के लिए खाद्य एवं औषधि प्रशासन के कंट्रोलर दीपक अग्रवाल के निर्देश पर दूसरे जिलों के खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की विशेष टीम गठित की गई थी। अवकाश के दिन बुलाई गई इस टीम में सर्वेश यादव, अक्षय सोनी, बृजेंद्र भारती, फनेश्वर पिथौरा, संजय नंद और मुखर्जी अमृत सहित अन्य अधिकारी शामिल रहे, जिन्होंने एक साथ दोनों स्थानों पर दबिश देकर कारर्वाई को अंजाम दिया।

मरोदा टैंक में बाबा साहेब की प्रतिमा का सांसद विजय ने किया अनावरण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भारत रत्न, भारतीय संविधान के निर्माता डॉ. बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर जी की प्रतिमा अनावरण समारोह का आयोजन वार्ड क्रमांक 13, आम्बेडकर चौक, मरौदा टैंक भिलाई में नमो बुद्धाय जय भीम जन कल्याण समिति द्वारा बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं जनप्रतिनिधियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर नमो बुद्धाय जय भीम जन कल्याण समिति के जिला भाजपा मंत्री शैलेन्द्र शेन्डे ने मुख्य अतिथि का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान भिलाई के गत म्यूजिक ग्रुप द्वारा धम्म गीतों की आकर्षक एवं भावपूर्ण प्रस्तुति दी गई, जिसने उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जी का जीवन और उनके विचार हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने बताया कि 14 अप्रैल को डॉ. आंबेडकर की 135वीं जयंती देश ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व में बड़े ही श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जाती है। उन्होंने आगे कहा कि इस पावन अवसर पर भिलाई के सेक्टर-6 में आयोजित होने वाले जयंती कार्यक्रम में भी सभी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आग्रह किया गया। कार्यक्रम में वार्ड की पार्षद सविता विधी यादव पार्षद सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक भी उपस्थित रहे। समारोह का वातावरण जय भीम और नमो बुद्धाय के उद्घोष से गूंजायमान रहा तथा सभी ने मिलकर डॉ. आंबेडकर के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

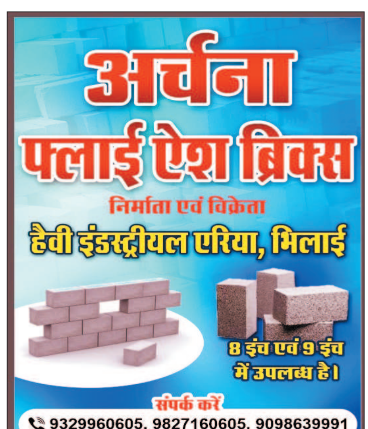

फेरो स्क्रैप वर्कर्स यूनियन के फिर से अध्यक्ष चुने गए अरुण सिंह सिसोदिया

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

फेरो स्क्रैप वर्कर्स यूनियन में हुए त्रैवार्षिक आंतरिक चुनाव में सभी कमर्चारियो ने मिल कर नई कार्यकारिणी का गठन किया और अरुण सिसोदिया के नेतृत्व में किये गए कायी और फेरो स्क्रैप निगम के फिर से बी एस पी से टेंडर दिलाने में पूरे आंदोलन और हड़ताल में सभी यूनियन को जोड़कर दबाव बनाने और संघर्ष को परिणाम तक ले जाने में किये गए प्रयासों के चलते हजारों कमर्चारियों और ठेका श्रमिकों का विश्वास अर्जित किया और सभी ने पुनः आगे तीन वर्षो के लिए अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंप दिया, आज की बैठक में मुख्य अतिथि गर्जेद्र सिंह, जॉन मैथ्यू और लक्ष्मण यादव थे।

कार्यकारिणी में चयन वरिष्ठ उपाध्यक्ष गोपिका प्रसाद चौधरी व राजेश दास ,उपाध्यक्ष शिव नारायण व जे केरकेट्टा,महासचिव मोहम्मद तनवीर,उपमहासचिव सी एन सिंह,सचिव वाई वासुदेव राव, प्रमोद रॉय, शरद ठाकुर,प्रदीप शर्मा व सुनील कुमार ,संतोष सिंह,कोषाध्यक्ष धनेश राम ठाकुर,कायर्कारिणी सदस्य हरीश चंद ठाकुर,आर के यादव,मोहम्मद असलम ,राम सिंह,संदीप सिंह,अर्जुन साहू, धनुरजय साहू को जिम्मेदारी दिया गया ।साथ ही बैठक में यूनियन का नाम फेरी स्क्रैप वर्कर्स यूनियन साथ बहुत सारे अन्य प्रस्ताव भी पास किये गए जिसमे फेरी स्क्रैप के अस्तित्व श्रमिको के अधिकार वेतन, भत्ते ,ऐक्षिक सेवानिवृत्ति और ठेका मजदूरों को 1 अप्रैल से लागू होने वाले 26000 न्यूनतम और 35000 अधिकतम मजदूरी दिलाने का प्रयाश शामिल है ।साथ ही भविष्य बी एस पी प्रबंधन व फेरो स्क्रैप प्रबंधन से सकारात्मक चर्चा कर दीर्घावधि कार्य दिलाने हेतु परिणाम दिलाने का पुरजोर प्रयास शामिल हैं।

साथ ही यूनियन ने स्थायी कमियों व ठेका श्रमिको की सदस्यता अभियान चला कर यूनियन के संघर्ष की मुख्यधारा में जोड़ने का निर्णय लिया ।सभा का स्वागत भाषण अध्यक्ष अरुण सिंह सिसोदिया संचालन शिवनारायण व आभार प्रदर्शन महासचिव मोहम्मद तनवीर ने किया ।बैठक में सैकड़ो सदस्यों और कर्मि उपस्थित थे जिसमें अनीस रिजवी,मधुसूदन,सुनील तापरे, जितेंद्र,अनवत साह,ध्रुव पाठक,भुवन साहू,गजबीये आदि।

खास खबर

उद्यमियों को बिजनेस डेवलपमेंट सपोर्ट कार्यक्रम का दिया गया प्रशिक्षण

नई दृष्टिबिंदु /भिलाई

केंद्र सरकार की फ्अटढ योजना के अंतर्गत, उरकऊ छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में चॉइस कंसल्टेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने, उन्हें बाजार से जोड़ने तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से आज भिलाई नगर निगम के (सभा कक्ष) में बिजनेस डेवलपमेंट सर्विस प्रोवाइडर प्रोग्राम विषय पर एक दिवसीय कायर्शाला का आयोजन किया गया ।इस कायर्शाला का मुख्य उद्देश्य उद्यमियों, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों एवं महिला संचालित टरटए२ को बाजार विकास हेतु आवश्यक सहायता एवं मार्गदर्शन प्रदान करना था। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को योजना के तहत मिलने वाली वित्तीय सहायता, प्रदर्शनी एवं मेलों में भागीदारी, ब्रांड प्रमोशन तथा निर्यात के अवसरों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। महिला उद्यमिता न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम है, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन एवं स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से उद्यमियों को बड़े बाजारों तक पहुंच बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग मिलता है। कायर्शाला के दौरान निम्न विषयों पर विशेष जानकारी प्रदान की गई। बिजनेस डेवलपमेंट सर्विस प्रोवाइडर प्रोग्राम योजनाएं राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के मेलों/प्रदशर्नी में भागीदारी की प्रक्रिया उत्पाद ब्रांडिंग, पैकेजिंग एवं लेबलिंग में सुधार गुणवत्ता प्रमाणन एवं मानकीकरण का महत्व

बी2बी बी2ई मार्केट लिंकज के अवसर ई-कॉमर्स एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बिक्री विस्तार सरकारी सहायता एवं अनुदान प्राप्त करने की प्रक्रिया प्रतिभागियों ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी, प्रेरक एवं मार्गदर्शक बताया।

बीआईटी दुर्ग बना वैश्विक नवाचार का केंद्र, आईईईई यससिस्ट12 प्रीलिम्स का सफल हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

प्रदेश के तकनीकी शिक्षा परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में, भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी), दुर्ग ने 9 और 10 अप्रैल को आईईईई यससिस्ट12 2026 के प्रीलिमिनरी राउंड की सफल मेजबानी कर वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

छत्तीसगढ़ से एकमात्र ग्लोबल पायलट सेंटर के रूप में चयनित बीआईटी दुर्ग इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय नवाचार मंच के लिए विश्व के चुनिंदा संस्थानों में शामिल रहा। दो दिनों तक चले इस आयोजन में युवाओं के नवाचार, उत्साह और तकनीकी सोच का जीवंत चित्र देखने को मिला।40 से अधिक टीमों के 120 से ज्यादा प्रतिभागियों ने समाज की वास्तविक समस्याओं के समाधान प्रस्तुत किए। नागपुर और कोयंबटूर से जुड़े प्रतिभागियों ने हाइब्रिड मोड में भाग लेकर आयोजन को और व्यापक स्वरूप दिया। यह मंच प्रतिभागियों के लिए न केवल प्रतिस्पर्धा, बल्कि वैश्विक स्तर तक पहुंचने का अवसर भी बना, जहां से चयनित टीमें इंडोनेशिया में होने वाले फाइनल्स में में देश का प्रतिनिधित्व करेंगी।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. अनुप मिश्रा सहित अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम के दौरान साइबर सुरक्षा और उभरती तकनीकी विषयों पर विशेषज्ञ सत्र भी आयोजित किए गए, जिनमें साइबर प्रहरि, साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन दुर्ग के नोडल अधिकारी डॉ. संकल्प राय, सुश्री साक्षी पांडेय तथा छत्रपति शिवाजी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स, दुर्ग के डीन राजीव नायर ने अपने विचार साझा किए। दूसरे दिन श्री शंकरा विद्यालय, सेक्टर-10 और बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 के विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भागीदारी की।

प्रतियोगिता के अंत में टीम शील्ड ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि टीम संजीविनी और टीम एग्रीथर्मल सॉल्यूशंस क्रमशः द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहीं।

जूनियर आइंस्टीन ट्रैक में श्री शंकरा विद्यालय की टीम गैस्जेन इनोवेटर्स विजेता बनी। आईईईई बीआईटी दुर्ग स्टूडेंट ब्रांच और वुमन इन इंजीनियरिंग समूह द्वारा आयोजित इस पहल ने बीआईटी दुर्ग को एक ऐसे संस्थान के रूप में स्थापित किया है, जो नवाचार को समाज से जोड़ने की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

लघु उद्योग भारती की नई दुर्ग शाखा गठित ,संजय अध्यक्ष बनाए गए

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

लघु उद्योग भारती की रसमड़ा इकाई का गठन कर लिया गया है। इस नयी ईकाई में संजय मिश्र को अध्यक्ष बनाया गया है एवं ओम प्रकाश रजक को सचिव एवं धीरेंद्र कश्यप को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। इसकी घोषणा संघ कार्यालय रायपुर में लघु भारती उद्योग के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष समीर मुंदड़ा ने की।

लघु उद्योग भारती सूक्ष्म एवं लघु वर्ग उद्योगों का एकमात्र राष्ट्रव्यापी संगठन है जो की राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का अनुषांगिक औद्योगिक संगठन है। भारत के लगभग सभी राज्यों एवं जिलों में इसकी इकाइयां कार्यरत है संपूर्ण देश के 750 से अधिक जिलों में तथा 1000 से अधिक इकाइयां विभिन्न जिलों के औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत हैं जिसमें 60,000 से अधिक उद्योग सदस्य के रूप में जुड़े हुए हैं। छत्तीसगढ़ में ही 25 जिलों में 1200 से अधिक लघु एवं सूक्ष्म उद्योग सदस्य हैं। लघु उद्योग भारती की रसमड़ा दुर्ग इकाई की बैठक 13 अप्रैल को प्लस पेंट्स परिसर में संपन्न हुई । इसमें लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय प्रभारी वजूभाई वघासिया राज्य की अध्यक्ष डॉ सीपी दुबे जी, कोषाध्यक्ष अनिल बाकलीवाल उपस्थित थे। बैठक में उद्योगों में होने वाली समस्याओं को लघु उद्योग भारतीय संगठन के साथ साझा किया गया एवं सुझाव दिया गया। राष्ट्रीय प्रभारी ने लघु उद्योग भारती के समस्त कार्य प्रणाली को उद्योगपतियों के साथ साझा एवं उद्योग में आने वाली समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुना एवं इसके निराकरण के लिए तत्काल संबंधित अधिकारियों से बात की।

अंत में लघु उद्योग भारतीय रसमड़ा दुर्ग इकाई के अध्यक्ष संजय मिश्रा ने रसमड़ा दुर्ग क्षेत्र में सभी उद्योगपतियों की सारी समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनाएं एवं क्षेत्रीय अधिकारियों को इससे अवगत कराया एवं राष्ट्रीय प्रभारी विजय वघासिया का धन्यवाद किया।

इस बैठक में सभी उद्योगपति सदस्य ओमप्रकाश रजक , सी पी कुशवाहा , धीरेंद्र कश्यप, राजेश मिश्रा, विनोद गुप्ता, अशोक त्रिवेदी, अखिलेश तिवारी, आशुतोष तिवारी, नंदू गुप्ता , रमेश कुमार जांगड़ा, सुशील कुमार केसर और डॉ. प्रदीप चौधरी जी उपस्थित रहे।

भ्रष्टाचार का पीपीपी मॉडल अस्पतालों की पैथोलॉजी ठेके पर कमीशनखोरी का अभिनव प्रयास : वर्मा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अस्पतालों की पैथोलॉजी ठेके पर दिये जाने पर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा कि यह भ्रष्टाचार का पीपीपी मॉडल है, कंडोम बनाने वाली कंपनी को टेस्ट का ठेका दे दिया। यह कंपनी है तो सरकारी, लेकिन ठेकेदार से काम करायेगी। लैब की जगह, कमर्चारी लगने वाली मशीनें सभी सरकार मुफ्त में देगी और ठेका कंपनी जांच करेगी और जांच में लगने वाली फीस का भुगतान भी सरकार करेगी। यह ठेका स्वास्थ्य विभाग के भ्रष्टाचार का अभिनव पहल है।

स्वास्थ्य विभाग लोगो के इलाज की दिशा तय करने नही भ्रष्टाचार करने की रोज नये अवसर खोजता है। बिना किसी टेंडर के एच.एल.एन को ठेका दिया तथा एच.एल.एन ने महाराष्ट्र की कंपनी को ठेका दे दिया। वर्मा ने कहा कि जब मशीने सरकारी है, लैब के लिये स्थान भी सरकार देगी तथा टेक्नीशियन भी सरकार ही देगी तथा जांच की फीस भी सरकारी है तो ठेका कंपनी को केवल बिल काटने के लिये रखा गया है। राज्य में जब से भाजपा की सरकार बनी है, स्वास्थ्य विभाग भ्रष्टाचार का केंद्र बन चुका है। भ्रष्टाचार स्वास्थ्य विभाग की पहचान बन गयी है। वर्मा ने कहा कि पैथालॉजी ठेको को निरस्त करने की मांग कांग्रेस पार्टी करती है, सरकार प्रदेश के सभी अस्पतालों के पैथालॉजी का संचालन खुद करवाये, ठेके और कमीशनखोरी के खेल पर रोक लगाई जाये। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता वर्मा ने कहा कि दवा के नाम पर जहर दिया जा रहा है, नकली अमानक, गुणवत्ताहीन, फंगस लगे दवा का वितरण मरीजों को किया जा रहा था, इतने गंभीर विषय पर यह सरकार गंभीर नहीं है, महिनो बाद तक न किसी की जिम्मेदारी तय की गई, न ही कोई कार्रवाई हुई।

एनएसयूआई ने जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

आज एनएसयूआई में प्रदेश महासचिव आदित्य नारंग के नेतृत्व में दुर्ग में जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया !

ज्ञापन में बताया गया कि पिछली कांग्रेस शासन काल में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की महत्वाकांक्षी योजना स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालयों जिसमें शैक्षणिक सत्र 2026-27 से प्रवेश शुल्क लागू किए जाने के निर्णय को वापस लेना चाहिए।

ज्ञापन के माध्यम से शासन के उस हालिया निर्णय की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना हैं, जिसके तहत राज्य के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालयों में आगामी सत्र से वार्षिक शुल्क लेने की घोषणा की गई है। इस संदर्भ में निम्नलिखित बिंदु शासन के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत करते हुए पत्र व्यवहार करने की मांग की :-

स्वामी आत्मानंद विद्यालयों की स्थापना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यम वर्गीय परिवारों के बच्चों को निजी स्कूलों की तर्ज पर 'निःशुल्क' और 'गुणवत्तापूर्ण' शिक्षा प्रदान करना था। शुल्क लागू करना इस मूल भावना के विपरीत है।

वतर्मान में बढ़ती महंगाई के दौर में सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों के परिवारों के लिए ?410 और ?445 का अतिरिक्त शुल्क भी एक बड़ा आर्थिक बोझ साबित होगा।

साथ ही शिक्षा के अधिकार और सरकारी स्कूल की अवधारणा के तहत शिक्षा सवर्सुलभ होनी चाहिए। शुल्क का प्रावधान शिक्षा के लोकतंत्रीकरण के मार्ग में बाधा उत्पन्न कर सकता है।

आदित्य नारंग ने कहा निर्णय पर पुनविर्चार किया जाना चाहिए, समाचार पत्रों के माध्यम से ज्ञात हुआ है कि फंड की कमी के कारण यह निर्णय लिया गया है। हमारा विनम्र अनुरोध है कि सरकार अन्य स्रोतों या बजट आवंटन के माध्यम से इन स्कूलों का प्रबंधन करे, न कि छात्रों से शुल्क लेकर ।

शिक्षा अधिकारी से आग्रह किया है कि पत्र के द्वारा जनहित और छात्रहित को ध्यान में रखते हुए इस निर्णय को तत्काल वापस लेने हेतु राज्य शासन को हमारी मांगों से अवगत कराएं, ताकि स्वामी आत्मानंद विद्यालयों में निःशुल्क शिक्षा की निरंतरता बनी रहे।

ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से तिरुपति युवा चंद्राकर, तुषार कुमार, पीयूष सिन्हा, मयंक देशमुख, दीप बंजारे, कैलाश साहू, मृदुल सिंह, अभय देशलहरा, निशांत राव एवं अन्य छात्र छात्राएं मौजूद रहे !

संपत्ति कर को लेकर राजनांदगांव निगम में सियासी महासंग्राम, कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

कांग्रेसियों से ज्ञापन लेने नहीं पहुंचे नगर निगम के आयुक्त, विवाद के बाद निगम के ईई और राजस्व अधिकारी ने लिया ज्ञापन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

शहर में बढ़े हुए संपत्ति कर को लेकर अब सियासी संग्राम तेज हो गया है। सोमवार को कांग्रेस ने नगर निगम का जोरदार घेराव कर महापौर के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि घेराव के पहले ही महापौर ने नगर निगम आयुक्त को अनुपस्थित कर दिया ताकि कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर मौजूद न रहे और ज्ञापन स्वीकार न किया जा सके।

हालांकि बाद में नगर निगम के कायर्पालन अभियंता (ईई) दीपक खांडे और राजस्व अधिकारी राजेश तिवारी ने कांग्रेस का ज्ञापन लिया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और संपत्ति कर में कमी की मांग को लेकर अपना विरोध दर्ज कराया। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि महापौर कांग्रेस के आंदोलन से घबरा गए हैं यही कारण है कि उन्होंने आयुक्त को पहले ही हटा दिया। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक व्यवस्था का अपमान बताते हुए कहा कि जनता के मुद्दों से भागना किसी भी जनप्रतिनिधि के लिए शमर्नाक है। श्री पिल्ले ने कहा कि नगर निगम द्वारा तय किया गया संपत्ति कर पूरी तरह अव्यवस्थित और गलत है जिससे आम नागरिकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ पड़ रहा है। कांग्रेस द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में संपत्ति कर निर्धारण की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए गए। प्रमुख बिंदु इस प्रकार हैं प्रथम, द्वितीय और तृतीय तल के लिए एक समान कर दर लागू करना तकर्संगत नहीं है।

प्रत्येक मंजिल के उपयोग और मूल्य के आधार पर अलग-अलग दरें होनी चाहिए। शहर के मुख्य मार्गों और अंदरूनी बस्तियों के लिए एक जैसी दरें तय कर दी गई हैं जबकि इन क्षेत्रों के बाजार मूल्य और सुविधाएं अलग-अलग हैं। घरों के खाली हिस्से, आंगन या खाली प्लॉट पर भी टैक्स लगाया जा रहा है, जिसे कांग्रेस ने पूरी तरह अनुचित बताया। दुकानों और व्यवसायिक परिसरों के लिए भी समान दर लागू कर दी गई है, जबकि उनकी स्थिति और आय में काफी अंतर होता है। कांग्रेस ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि संपत्ति कर में जल्द सुधार कर दरों को कम नहीं किया गया तो पार्टी आम जनता के साथ मिलकर उग्र आंदोलन करने को बाध्य होगी। नेताओं ने कहा कि नगर निगम को चाहिए कि वह कलेक्टर गाइडलाइन और वास्तविक स्थिति को ध्यान में रखते हुए कर निर्धारण पर पुनविर्चार करे ताकि लोगों को राहत मिल सके। इस विरोध प्रदर्शन में शहर कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र मुदलियार, पूर्व महापौर हेमा सुदेश देशमुख, पार्षद हफीज खान, सतीश मसीह, धनेश पाटीला, श्रीकिशन खंडेलवाल, दिनेश शर्मा, रमेश राठौड़, डॉ. राकेश कुमार, झमन देवांगन, राकेश जोशी, मुकेश साहू, मोहम्मद इब्राहिम, माया शर्मा, गणेश पवार, रमेश डकड़िया, अनिल हुड्डा, दया दास देवांगन, विनय झा, अशोक फड़नवीस, नवीन जायसवाल, विनोद यादव, आसिफ अली, मनीष गौतम, तामेश्वर बंजारे, वीरेंद्र चंद्राकर, महेश साहू, शरद खंडेलवाल, परवेज शरीफ, पूणिर्मा सुखदेव, रोशनी सिंह, संगीता साहू, प्रज्ञा गुप्ता, छोटेलाल रामटेके, सूरज शर्मा, जय नारायण सिंह, शुभम प्रसाद, विश्व आजमनी, युवराज ढीढ़हेर, संदीप सोनी, ऋषि शास्त्री, जेसन सिद्दीकी, अनसुल श्रीवास्तव, मोहन खरे, जितेंद्र साहू, आशीष बाजपेई, प्रदीप राठौर, सुरेंद्र देवांगन, सचिन डेरहरे, चेतन भानुशाली, सिद्धार्थ डोंगरे, राजा यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे। संपत्ति कर को लेकर शुरू हुआ यह विवाद अब राजनीतिक तूल पकड़ चुका है। कांग्रेस जहां इसे जनता से जुड़ा बड़ा मुद्दा बना रही है वहीं निगम प्रशासन पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। आने वाले दिनों में यदि इस पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो शहर में आंदोलन और तेज होने की संभावना है।

एमडी के नाम से फर्जी संदेश भेजकर साइबर ठगी की कोशिश

अधिकारियों की सतर्कता से ठगों के मनसूबे हुए नाकाम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला के नाम का दुरुपयोग करते हुए अज्ञात व्यक्तियों व्दारा अधिकारियों को ठगने का प्रयास किया गया। अधिकारियों की सजगता एवं सतकर्ता से ठगों के मनसूबे नाकाम हो गए और इसकी शिकायत टोल फ्री नंबर 1930 में कर दी गई है।

ट्रांसमिशन कंपनी के कुछ अधिकारियों को आज दोपहर में एक फर्जी मोबाइल नंबर 99315-25803 से व्हाट्सएप के माध्यम से संदेश भेजे गए, जिनमें स्वयं को एमडी बताते हुए यह कहा गया कि वे किसी महत्वपूर्ण बैठक में व्यस्त हैं और तत्काल प्रभाव से एक बड़ी राशि 49 लाख 60 हजार 801 आरटीजीएस के माध्यम से एक निर्दिष्ट खाते में स्थानांतरित की जाए। संदेश में जल्दबाजी का माहौल बनाते हुए अधिकारियों पर तुरंत कार्रवाई करने का दबाव भी बनाया गया, जो कि साइबर ठगों द्वारा अपनाई जाने वाली सामान्य रणनीति मानी जाती है। मैसेज में बैंक का नाम, खाता संख्या, आईएफएसई कोड और लाभार्थी के संस्थान का नाम लिखा था।

कंपनी के सतर्क अधिकारियों ने इस संदिग्ध संदेश को गंभीरता से लेते हुए इसकी पुष्टि करने का प्रयास किया, जिसके बाद यह स्पष्ट हुआ कि यह पूरा मामला एक सुनियोजित साइबर फ्रॉड है। इस घटना की जानकारी मिलते ही प्रबंध निदेशक राजेश कुमार शुक्ला ने तत्काल सभी अधिकारियों एवं कमर्चारियों को सतर्क रहने की सलाह दी और स्पष्ट निर्देश दिए कि इस प्रकार के किसी भी संदेश पर कोई प्रतिक्रिया न दी जाए तथा किसी भी स्थिति में कोई भी वित्तीय लेन-देन न किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि व्हाट्सएप जैसे अनौपचारिक माध्यमों के जरिए भुगतान का निर्देश देना पूरी तरह असंगत और संदिग्ध है।इस घटना ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि साइबर अपराधी अब बड़े अधिकारियों के नाम और पद का दुरुपयोग कर संगठनों को निशाना बना रहे हैं, जिससे कमर्चारियों को भ्रमित कर त्वरित आर्थिक लाभ प्राप्त किया जा सके। विशेषज्ञों के अनुसार, इस प्रकार के मामलों में मैं मीटिंग में हूं, तुरंत भुगतान करें और गोपनीय रखें जैसे शब्दों का प्रयोग कर मानसिक दबाव बनाया जाता है, ताकि व्यक्ति बिना सोचे-समझे निर्णय ले ले।

प्रबंधन द्वारा सभी कमर्चारियों से अपील की गई है कि वे ऐसे किसी भी संदिग्ध संदेश, कॉल या ईमेल से सतर्क रहें, संबंधित नंबर को तुरंत ब्लॉक करें तथा आवश्यक होने पर साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर सूचना दें। साथ ही, यह भी कहा गया है कि किसी भी असामान्य वित्तीय निर्देश की पुष्टि सदैव संबंधित अधिकारी के आधिकारिक संपर्क माध्यम से ही की जाए। यह मामला समय रहते पकड़ में आ जाने से किसी प्रकार की आर्थिक क्षति नहीं हुई, किंतु यह घटना सभी के लिए एक महत्वपूर्ण चेतावनी है कि डिजिटल युग में सतकर्ता ही सबसे बड़ा बचाव है।

खास खबर

बीएसपी व्यावसायिक प्रशिक्षुओं हेतु औद्योगिक उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र ने उद्योगझ्रअकादमिक समन्वय को सुदृढ़ करने तथा युवाओं की व्यावसायिक दक्षता को विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मानव संसाधनझ्र ज्ञानार्जन एवं विकास केन्द्र में व्यावसायिक प्रशिक्षुओं के लिए औद्योगिक उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया है। यह कार्यक्रम कक्षा आधारित शिक्षा एवं वास्तविक औद्योगिक कार्यप्रणाली के बीच की दूरी को कम करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम एक संरचित एवं समग्र उन्मुखीकरण मॉड्यूल के रूप में तैयार किया गया है, जिसके अंतर्गत प्रतिभागियों को एकीकृत इस्पात संयंत्र की सुरक्षा प्रणाली एवं परिचालन तंत्र की व्यापक जानकारी प्रदान की जा रही है। कार्यक्रम में गैस सुरक्षा, विद्युत सुरक्षा एवं रेल आवागमन से संबंधित सुरक्षा उपायों जैसे महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया है। साथ ही, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) के सही उपयोग पर विशेष बल देते हुए शून्य-हानि कार्य संस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है। विशेषज्ञों द्वारा संचालित सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को संयंत्र की जटिल एवं विस्तृत कार्यप्रणाली की समग्र समझ भी प्रदान की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान भिलाई इस्पात संयंत्र के मानव संसाधनझ्र ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग ने देश के 187 प्रतिष्ठित तकनीकी संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित किया है, जिनमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान , भिलाई इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी) तथा रुंगटा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग जैसे प्रमुख संस्थान शामिल हैं। यह सहयोग उद्योग एवं शिक्षा जगत के बीच प्रभावी समन्वय का सशक्त उदाहरण है। संयंत्र की प्रशिक्षण पहलों की व्यापकता एवं प्रभावशीलता का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि गत वित्तीय वर्ष में 1,412 से अधिक प्रशिक्षुओं को सफलतापूर्वक कौशल उन्नयन प्रदान किया गया। इसी क्रम को आगे बढ़ाते हुए वित्तीय वर्ष 2026-27 में भी अधिक से अधिक संख्या में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

डीएनबी 2025 बैच के लिए जेएलएन चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र में ओरिएंटेशन कार्यक्रम

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जवाहर लाल नेहरु चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र में डीएनबी (प्राथमिक) के 2025 बैच के छात्रों के लिए इंडक्शन सह ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन 11 अप्रैल को किया गया। यह आयोजन नए डीएनबी प्रशिक्षुओं के स्वागत एवं उन्हें चिकित्सालय के शैक्षणिक, नैतिक तथा संचालनात्मक ढांचे से परिचित कराने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. विनीता द्विवेदी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. उदय कुमार के प्रेरणादायी संबोधन से हुआ। उन्होंने अपने उद्बोधन में व्यावसायिकता, अनुशासन एवं समर्पण के मूल्यों पर बल देते हुए संस्थान की शैक्षणिक परंपराओं को आत्मसात करने का आह्वान किया। इसके पश्चात विभिन्न विशेषज्ञों एवं प्रशासकों द्वारा क्रमवार सत्र प्रस्तुत किए गए, जिनमें डीएनबी प्रशिक्षुओं को चिकित्सालय प्रणाली एवं स्नातकोत्तर प्रशिक्षण की जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया। डॉ. आकांक्षा ने चिकित्सालय की संरचना एवं कार्यप्रणाली का विस्तृत परिचय दिया। वहीं एसीएमओ एवं डीएनबी समन्वयक डॉ. संबिता पंडा ने संस्थागत नीतियों, आचरण, अनुशासन एवं अवकाश नियमों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की, जिसे प्रतिभागियों ने विशेष रूप से सराहा। इसी क्रम में एसीएमओ डॉ. मनीषा कांगो ने प्रयोगशाला एवं ब्लड बैंक सुविधाओं की जानकारी दी।

बिलासपुर-कटनी रेल रूट पर बड़ा हादसा टला, कोयले से लदी मालगाड़ी के 25 डिब्बे टूटकर अलग हुए

लोको पायलट की सतकर्ता से नहीं हुई कोई जनहानि

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

बिलासपुर-कटनी रेल रूट पर कल शाम एक बड़ा रेल हादसा होते होते टल गया। वेंकटनगर और खैरझीटी रेलवे स्टेशन के बीच कोयले से भरी मालगाड़ी के 25 डिब्बे अचानक इंजन से टूटकर अलग हो गए। यह घटना खैरझीटी स्कूल के पास पोड़की टोला क्षेत्र में हुई। मालगाड़ी पेंड्रा रोड की तरफ से अनूपपुर-कटनी की ओर जा रही थी। तभी अचानक तेज आवाज के साथ कपलिंग टूट गई और पीछे के पूरे 25 डिब्बे अलग हो गए। गनीमत रही कि लोको पायलट ने तुरंत सूझबूझ दिखाई। झटका महसूस होते ही पायलट ने बिना देरी किए इमरजेंसी ब्रेक लगाकर इंजन को रोक दिया। समय पर ब्रेक लगने से एक बड़ा हादसा टल गया। रेलवे अधिकारीः "लोको पायलट की सतकर्ता से बड़ा हादसा टला है। यदि समय पर गाड़ी नहीं रुकती तो डिब्बे पटरी से उतर सकते थे या पीछे से आ रही ट्रेन से टकराव हो सकता था। घटना की सूचना मिलते ही रेलवे का तकनीकी अमला और आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने मौके का जायजा लिया और टूटे हुए कपलिंग की जांच शुरू की।

करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद सभी 25 डिब्बों को सुरक्षित तरीके से दोबारा इंजन से जोड़ा गया। सुरक्षा जांच पूरी होने के बाद मालगाड़ी को गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया।

सीनियर सेक्शन इंजीनियरः "प्रथम दृष्टया कपलिंग फेल होने की बात सामने आई है। पूरे मामले की तकनीकी जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट होगा कि लापरवाही हुई या तकनीकी खराबी थी।"रेलवे ने इस दौरान अप लाइन पर ट्रेनों का परिचालन कुछ देर के लिए रोका था। हालांकि डाउन लाइन से ट्रेनों की आवाजाही सामान्य रही। देर शाम तक ट्रैक को पूरी तरह क्लियर कर परिचालन सामान्य कर दिया गया। फिलहाल रेलवे प्रशासन ने कपलिंग टूटने के कारणों की विस्तृत जांच के आदेश दे दिए हैं। जांच रिपोर्ट आने के बाद जिम्मेदारी तय की जाएगी।

जाति प्रमाण पत्र पर अटका भविष्य : भिलाई निगम की सुस्ती से 89 युवाओं के सपनों पर ग्रहण

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ में अनुसूचित जनजाति के जाति प्रमाण पत्र के लिए जहां 1950 के रिकॉर्ड को आधार माना जाता है, वहीं इसके बाद के वैध दस्तावेजों के आधार पर भी नगर निकाय की महापौर परिषद से अनुमोदन लेकर प्रमाण पत्र जारी करने का प्रावधान है। लेकिन भिलाई नगर निगम में यही प्रक्रिया अब 89 युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ बन गई है।

आवेदकों का आरोप है कि निगम के जिम्मेदार अधिकारी और महापौर परिषद, दोनों ही इस गंभीर विषय पर उदासीन बने हुए हैं। नियमानुसार सामान्य सभा से प्रस्ताव पारित कर एक 10 सदस्यीय टीम गठित की जानी थी, जिसमें निगम अधिकारियों की भी भागीदारी तय थी। टीम के सदस्यों का चयन भी हो चुका था, लेकिन इसके बाद फाइलें जैसे ठंडे बस्ते में डाल दी गईं।

इस मामले में आवेदक पलाश लिहितकर द्वारा उपायुक्त को लिखित आवेदन देकर सलाहकार समिति की बैठक बुलाने की मांग भी की गई, बावजूद इसके अब तक कोई ठोस पहल सामने नहीं आई है। सवाल यह उठता है कि जब शासन ने व्यवस्था दी है, तो स्थानीय स्तर पर उसे लागू करने में इतनी बेरुखी क्यों? 4 वर्षों से इस गंभीर विषय पर निर्णय नहीं ले ले पाया महापौर परिषद आखिर क्यों

निगम की कार्यप्रणाली पर कटाक्ष करते हुए स्थानीय लोग कहते हैं कि यहां फाइलें चलने से ज्यादा ह्लरोकनेह्व की परंपरा मजबूत है। युवाओं के करियर और नौकरी के सपनों से जुड़ा यह मुद्दा जिम्मेदारों के लिए प्राथमिकता क्यों नहीं बन पा रहा, यह समझ से परे है।

महापौर नीरज पाल के नेतृत्व वाली परिषद से अब तक कोई स्पष्ट रुख सामने नहीं आना भी कई सवाल खड़े करता है। क्या 89 युवाओं का भविष्य यूं ही कागजों में उलझा रहेगा, या फिर निगम प्रशासन अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए जल्द कोई ठोस निर्णय लेगा? फिलहाल, युवाओं की नजरें शासन और प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं— कि उन्हें उनका हक मिलेगा या फिर वादों की फाइलों में ही उनका भविष्य दम तोड़ता रहेगा।

आदर्श सामूहिक विवाह धमधा

नई दृष्टिबिंदु / धमधा

आदर्श सामूहिक विवाह समिति द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह कार्यक्रम के अंतर्गत 12 अप्रैल को चतुर्थ जोड़ी का पंजीयन संपन्न हुआ। इस अवसर पर चि. आनंद ताम्रकार (पिता झ्र विमल शंकर ताम्रकार, निवासी धमधा) एवं सौ.का. अनुष्का ताम्रकार (पिता झ्र गोपी ताम्रकार, निवासी धमधा) का नामांकन किया गया।

समिति के सदस्यों ने नवदंपति को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। समिति के अध्यक्ष नीलकमल (नीलू) एवं सचिव विमल ताम्रकार ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष कुल 5 जोड़ों का आदर्श सामूहिक विवाह संपन्न कराया जाएगा।

कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु समिति के सदस्य—कौशल ताम्रकार, त्रिलोकी नाथ ताम्रकार, युधिष्ठिर ताम्रकार, विमल शंकर ताम्रकार, जयप्रकाश ताम्रकार, कामता ताम्रकार, कुलदीप ताम्रकार एवं गोपी ताम्रकार सक्रिय रूप से सहयोग कर रहे हैं। समिति द्वारा बताया गया कि आदर्श सामूहिक विवाह का आयोजन 26 अप्रैल रविवार को सम्पन्न होगा। इस आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है तथा समिति द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

राजनांदगांव बनेगा 'ग्रीन सिटी' कचरे से बनेगी गैस, निगम के बीच ऐतिहासिक करार

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले के लिए 12 अप्रैल 2026 का दिन विकास की नई इबारत लिखने वाला साबित हुआ। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में रायपुर स्थित स्पीकर हाउस में एक त्रिपक्षीय कंसेशन एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता राजनांदगांव नगर निगम, छत्तीसगढ़ बायोफ्यूल विकास प्राधिकरण और भारत पेट्रोलियम कॉपीरेशन लिमिटेड के बीच हुआ है।

इस समझौते के तहत राजनांदगांव के ग्राम बोईरडीह में बीपीसीएल द्वारा स्वयं के निवेश से एक आधुनिक सीबीजी संयंत्र की स्थापना की जाएगी।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना में बीपीसीएल लगभग 100 करोड़ रुपये का शत-प्रतिशत निवेश करेगी। इससे न केवल निर्माण के दौरान बल्कि संयंत्र संचालन के दौरान भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से प्रतिवर्ष लगभग 30 हजार मानव दिवस के बराबर रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

संयंत्र में प्रतिदिन 100 से 150 टन नगरीय ठोस अपशिष्ट और बायोमास का उपयोग किया जाएगा। इससे हर दिन लगभग 12 से 15 मीट्रिक टन जैव ईंधन तैयार होगा। उत्पादित गैस को शहर में बिछाई जा रही गैस पाइपलाइन के माध्यम से घरों तक पहुंचाया जाएगा, जिससे छत्तीसगढ़ 'नेट जीरो इमिशन' की ओर मजबूती से कदम बढ़ाएगा। वहीं संयंत्र से केवल गैस ही नहीं, बल्कि सह-उत्पाद के रूप में भारी मात्रा में जैविक खाद भी प्राप्त होगी, जिससे क्षेत्र में जैविक खेती को नया प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही, संयंत्र के पूर्ण क्षमता से चलने पर सरकार को प्रतिवर्ष लगभग 1 करोड़ रुपये का जीएसटी राजस्व भी प्राप्त होगा। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा की

यह प्रोजेक्ट प्रधानमंत्री जी के 'कचरे से कंचन' के सपने को साकार करने की दिशा में बड़ा कदम है। इससे न केवल पर्यावरण स्वच्छ होगा, बल्कि राजनांदगांव की अर्थव्यवस्था को भी नई ऊर्जा मिलेगी।"

जनहित के मुद्दों पर मुखर हुई सभापति नेहा बाबा वर्मा

नई दृष्टिबिंदु / पाटन

नगर पंचायत पाटन की सामान्य सभा की परिषद बैठक में सभापति नेहा बाबा वर्मा ने वार्ड क्रमांक 4 सहित नगर क्षेत्र की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं को प्रमुखता के साथ उठाते हुए अधिकारियों से त्वरित एवं ठोस कार्रवाई की मांग की। बैठक के दौरान उनका रुख स्पष्ट रूप से जनहित केंद्रित और सक्रिय नजर आया।बैठक में उन्होंने वार्ड क्रमांक 4 की गंभीर पेयजल समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि क्षेत्र पूरी तरह ड्राई एरिया बन चुका है और नल-जल योजना से पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। उन्होंने नियमित टैंकर के माध्यम से जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ-साथ विभिन्न स्थानों पर जल वितरण पॉइंट बनाकर प्रतिदिन शाम 4:00 बजे से पानी उपलब्ध कराने की मांग की, ताकि वार्डवासियों को राहत मिल सके।

उन्होंने वार्ड क्षेत्र की समस्त शासकीय, घास एवं आबादी भूमि का शीघ्र सीमांकन कर उन्हें जनहितकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों के लिए आरक्षित करने का मुद्दा भी गंभीरता से रखा।

सभापति ने बच्चों के जाति प्रमाण पत्र से संबंधित लंबित आवेदनों को परिषद में प्रस्तुत करते हुए उनके त्वरित निराकरण की आवश्यकता बताई, ताकि संबंधित परिवारों को अनावश्यक परेशानी न हो।

नगर के कॉलेज रोड स्थित अखरा स्कूल एवं चंदुलाल चंद्राकर कॉलेज के सामीप लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने वहां शीघ्र स्पीड ब्रेकर निर्माण की मांग की, जिससे छात्र-छात्राओं एवं आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

इसी क्रम में उन्होंने शुभम के मार्ट के सामने मुख्य मार्ग पर अव्यवस्थित पार्किंग को गंभीर समस्या बताते हुए कहा कि यह स्थिति आमजन की सुरक्षा के लिए खतरा बन चुकी है। उन्होंने संबंधित प्रतिष्ठान की जांच कर नियमों के उल्लंघन पर कठोर कार्रवाई करने तथा निर्धारित समय-सीमा में पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित कराने की मांग की।

बीटी रोड की गुणवत्ता पर उठे गंभीर सवाल

सभापति ने वार्ड क्रमांक 4 में निर्मित बीटी रोड की गुणवत्ता पर भी गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि सड़क अनुबंध की निर्धारित अवधि पूरी होने से पहले ही उखड़ चुकी है और डामर पूरी तरह समाप्त हो गया है, जिससे आमजन को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पिछले परिषद बैठक में अधिकारियों द्वारा अनुबंध अवधि समाप्त होने की जानकारी दी गई थी, जबकि वास्तविकता में अनुबंध अवधि अप्रैल माह तक प्रभावी थी। इसे जनप्रतिनिधियों को गुमराह करने की स्थिति बताते हुए उन्होंने इस पर आपत्ति दर्ज कराई और मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सभापति नेहा बाबा वर्मा ने स्पष्ट कहा कि जनहित से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या भ्रामक जानकारी स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने परिषद से सभी मुद्दों पर गंभीरता से विचार कर शीघ्र प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

बैठक में उठाए गए इन मुद्दों से यह स्पष्ट है कि सभापति द्वारा नगरवासियों की समस्याओं को मजबूती के साथ उठाते हुए समाधान की दिशा में सक्रिय प्रयास किए जा रहे हैं।

भारतीय सब जूनियर बालक कोर टीम में चयनित

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ के ओम यादव और अवि मानिकपुरी का चयन भारतीय सब जूनियर बालक प्रशिक्षण शिविर हेतु किया गया है। चयनित टीम आगामी 29 मई से 06 जून तक जापान में आयोजित होने वाली अंडर 18 एशिया कप में भाग लेगी । जिसका प्रशिक्षण शिविर भोपाल में दिनांक 19 अप्रैल से 25 मई 2026 तक आयोजित किया जाएगा। छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष फिरोज अंसारी ने बताया कि यह छत्तीसगढ़ हाकी के लिए गर्व का क्षण है। भारतीय सब जूनियर बालक हॉकी प्रशिक्षण शिविर में ओम यादव और अवि मानिकपुरी का चयन प्रदेश के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी साबित होगा ।

फॉरवर्ड पोजीशन में खेलने वाले राजनांदगांव के ओम यादव और मिडफील्डर खेलने वाले बिलासपुर के अवि मानिकपुरी विगत 5 वर्षो से छत्तीसगढ़ हाकी टीम का प्रतिनिधित्व करते आ रहे है। उक्त दोनों खिलाड़ियों का चयन राजगीर (बिहार)में आयोजित 16वी हाकी इंडिया नेशनल चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर किया गया है,जहाँ ओम ने छत्तीसगढ़ और अवि ने मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया था ।ओम यादव वतर्मान में छत्तीसगढ़ राज्य खेल अकादमी बिलासपुर के आवासीय हॉकी केंद्र तथा अवि मध्य प्रदेश हॉकी अकादमी भोपाल में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं,दोनों खिलाड़ियों की इस सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत और कोचों के मार्गदर्शन को जाता है। सब जूनियर इंडिया कोर टीम में चयन होने से दोनों भारतीय राष्ट्रीय टीम की मुख्य विकास योजना का हिस्सा बनेंगे ।यहाँ से उसके पास अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का सीधा अवसर होगा। छत्तीसगढ़ हॉकी के महासचिव मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि यह सफलता न केवल इन खिलाड़ीयो के प्रतिभा को दर्शाती है, बल्कि छत्तीसगढ़ में हॉकी के बढ़ते स्तर और वहां दी जा रही ट्रेनिंग की गुणवत्ता का भी प्रमाण है। भविष्य में हमें इनसे भारतीय टीम की जर्सी में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद है। उनकी इस उपलब्धि पर पूरा प्रदेश गौरवान्वित है। ओम यादव और अवि मानिकपुरी के भारतीय सब जूनियर बालक कोर ग्रुप में चयन होने पर विष्णुदेव साय मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन,डॉ रमन सिंह , अरुण साव उप मुख्यमंत्री एवं खेल मंत्री छत्तीसगढ़ शासन, तनुजा सलामे निर्देशक खेल एवं आदि मौजूद थे।

संपादकीय

बाबा साहेब ने कहा था मैं संविधान का पिता नहीं कहलाना चाहता

डॉ. भीमराव अंबेडकर ने यह कहा था मैं संविधान का पिता कहलाना नहीं चाहता, मैं चाहता हूँ कि यह संविधान सफल हो। अंबेडकर नहीं होते तो क्या होता? आरक्षण के बिना दलित-बहुजन विकास संभव होता? यह एक रोचक सवाल है।

(वरिष्ठ पत्रकार सुरेश महापात्रा के फेसबुक वाल से लिया गया)

यह भी सही है कि इतिहास में एक व्यक्ति की अनुपस्थिति घटनाओं की दिशा बदल सकती है, लेकिन उन्हें पूरी तरह रोक नहीं सकती। डॉ. भीमराव अंबेडकर भारत के इतिहास में अपरिहार्य व्यक्तित्व थे, फिर भी उनका कार्य कई सामाजिक-राजनीतिक धाराओं का परिणाम भी था। उनके बिना भारत का संविधान और सामाजिक न्याय कैसा होता? और खासकर, आरक्षण के बिना दलित (अनुसूचित जाति), जनजाति तथा पिछड़े वर्गों का समावेशी विकास संभव होता या नहीं? डॉ. अंबेडकर संविधान सभा की मसौदा समिति के अध्यक्ष थे। उन्होंने मौलिक अधिकारों, राज्य नीति के निदेशक सिद्धांतों, अनुसूचित जाति-जनजाति के लिए आरक्षण (अनुच्छेद 15, 16, 17, 46 आदि), अस्पृश्यता के उन्मूलन और समानता के सिद्धांत को मजबूती प्रदान की।उनके बिना संविधान शायद अधिक उदारवादी-उच्चवर्गीय होता। आरक्षण की व्यवस्था या तो बहुत कमजोर रहती या काफी देर से लागू होती। कई दलित-बहुजन विचारक मानते हैं कि बिना अंबेडकर के संविधान ऊपरी जाति केंद्रित और ब्राह्मणवादी प्रभाव वाला अधिक होता। अनुच्छेद 17 (अस्पृश्यता का निषेध) और राजनीतिक आरक्षण (लोकसभा-विधानसभाओं में अनुसूचित जाति-जनजाति के लिए सीटें) उनके अथक प्रयासों का परिणाम थे। महाड सत्याग्रह, पूना पैक्ट, मंदिर प्रवेश आंदोलन जैसे संघर्षों ने दलितों को राजनीतिक आवाज दी। 1956 में नागपुर में लाखों दलितों द्वारा बौद्ध धर्म अपनाना भी उनके व्यक्तिगत नेतृत्व का परिणाम था। भारत की स्वतंत्रता और संविधान निर्माण सामूहिक प्रयास था। गांधी का हरिजन आंदोलन, नेहरू, पटेल और राजेंद्र प्रसाद की भूमिका, दक्षिण भारत में पेरियार का स्व-सम्मान आंदोलन तथा महाराष्ट्र में ज्योतिबा फुले-शाहू-आंबेडकर परंपरा पहले से मौजूद थी। आरक्षण की मांग 1920-30 के दशक में ही साइमन आयोग और गोलमेज सम्मेलन में उठ चुकी थी। संविधान तो बन जाता, लेकिन सामाजिक न्याय संबंधी प्रावधान कमजोर रह जाते। दलित राजनीति अधिक क्षेत्रीय और कम राष्ट्रीय स्तर की होती। जातिगत हिंसा और असमानता आज भी है, लेकिन बिना अंबेडकर के स्थिति और भी बदतर होती — क्योंकि संवैधानिक सुरक्षा और नैतिक-बौद्धिक आधार कमजोर पड़ जाता।अंबेडकर ने सिर्फ कानून नहीं दिए, बल्कि आत्म-सम्मान और संवैधानिक नैतिकता प्रदान की। उन्होंने साबित किया कि समाज के हाशिए पर खड़ा व्यक्ति भी पूरे राष्ट्र का शिल्पकार बन सकता है। सवाल तो यह भी है कि क्या आरक्षण के बिना दलित-बहुजन समावेशी विकास संभव होता? यह प्रश्न और भी गहरा है। जवाब ह्लसंभव था या नहींह्व नहीं, बल्कि ह्लकितना तेज और कितना पूर्णह्व पर निर्भर करता है। **आरक्षण से पहले की स्थिति:** 1947 से पहले दलितों और पिछड़ों की शिक्षा तथा नौकरियों में पहुंच बेहद सीमित थी। 1961 में ग्रामीण क्षेत्रों में अनुसूचित जाति की साक्षरता मात्र 6-10% के आसपास थी। जातिगत भेदभाव संरचनात्मक था — केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक-संस्कृतिक भी। बाजार या केवल ह्लमेरिटह्व पर छोड़ देने से कोई बड़ा परिवर्तन नहीं हुआ था।**आरक्षण के साथ क्या बदला?** शिक्षाः अनुसूचित जाति की साक्षरता 1961 में लगभग 10% से बढ़कर 2011 में 66% हो गई। उच्च शिक्षा में प्रवेश में आरक्षण का महत्वपूर्ण योगदान रहा। रोजगार एवं सामाजिक गतिशीलताः सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व बढ़ा। पीढ़ी-दर-पीढ़ी सामाजिक उन्नति में सुधार हुआ। **राजनीतिक समावेशः** आरक्षण के कारण मायावती, रामविलास पासवान जैसे राष्ट्रीय स्तर के दलित नेता उभरे। शोधकर्ताओं (थोरात आदि) के अनुसार आरक्षण ने मैदान को समतलह्व किया। इसके बिना मुस्लिम समुदाय की तरह असमानता और बढ़ती। **आरक्षण के बिना क्या होता?** संभव तो था, लेकिन बहुत धीमा, अधूरा और असमान। जातिगत भेदभाव आज भी विद्यमान है। बिना संवैधानिक दबाव के शिक्षा, नौकरियाँ और ठेकेदारी ऊपरी जातियों तक ही सीमित रहतीं।

बाबा साहेब के विचारों से प्रेरित होकर हम समतामूलक और सशक्त समाज के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने भारत रत्न डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर उन्हें नमन किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर सामाजिक न्याय, समानता और मानव अधिकारों के सशक्त प्रहरी थे। उन्होंने अपने पूरे जीवन को समाज के वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया और एक ऐसे भारत की नींव रखी, जहां हर व्यक्ति को समान अवसर और सम्मान प्राप्त हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन हमें यह सिखाता है कि शिक्षा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार बाबा साहेब के आदर्शों और सिद्धांतों को आत्मसात करते हुए समाज के हर वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार की विभिन्न योजनाएं समाज के अंतिम छोर तक विकास और अवसरों की समान पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा प्रयास है कि प्रदेश का हर नागरिक शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में सशक्त बने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़े। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे बाबा साहेब आंबेडकर के विचारों और मूल्यों को अपने जीवन में आत्मसात करें तथा एक न्यायपूर्ण, समरस और सशक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

बीएसपी में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाई

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल -भिलाई इस्पात संयंत्र में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल 2026 को महात्मा गांधी कला मंदिर में श्रद्धा एवं गरिमा के साथ मनाई गई। इस कार्यक्रम का आयोजन बीएसपी के औद्योगिक संबंध विभाग एवं बीएसपी एससी/एसटी कमर्चारी संघ द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम के पूर्व निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने सेक्टर-6 स्थित डॉ. अंबेडकर भवन में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक एके. चक्रवर्ती, कायर्कारी कार्यपालक निदेशक ए.बी. श्रीनिवास, महाप्रबंधक प्रभारी जे.एन. ठाकुर, महाप्रबंधक विकास चंद्रा, बीएसपी-आईआर विभाग के अधिकारीगण तथा एससी/एसटी कमर्चारी संघ के सदस्य उपस्थित रहे। महात्मा गांधी कला मंदिर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं डॉ. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक (सामग्री प्रबंधन) ए.के. चक्रवर्ती, कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) प्रबीर कुमार सरकार, कार्यपालक निदेशक (खदान) कमल भास्कर, कायर्कारी कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) ए.बी. श्रीनिवास, महाप्रबंधक प्रभारी (मानव संसाधन) जे.एन. ठाकुर, महाप्रबंधक (एचआर-आईआर एवं सीएलसी) विकास चंद्रा, अध्यक्ष (बीएसपी एससी/एसटी कमर्चारी संघ) कोमल प्रसाद, महासचिव (बीएसपी एससी/एसटी कमर्चारी संघ) विजय कुमार रात्रे, अध्यक्ष (सेफी एवं ऑफिसर्स एसोसिएशन) एन.के. बंछोर, महासचिव (बीएसपी ऑफिसर्स एसोसिएशन) अंकुर मिश्रा, सहायक महाप्रबंधक (एचआर-आईआर एवं सीएलसी) एवं संपर्क अधिकारी (बीएसपी एससी/एसटी कमर्चारी संघ) रोहित हरित सहित मुख्य महाप्रबंधकगण, अन्य वरिष्ठ अधिकारी, कार्मिक, बीएसपी स्कूलों के छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में बीएसपी एससी/एसटी कमर्चारी संघ के सदस्यगण उपस्थित रहे। निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने भारत रत्न डॉ. बीआर अंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें सामाजिक समरसता और समानता की दिशा में देश का मार्गदर्शक बताया। उन्होंने भारतीय संविधान के निर्माण में डॉ. अंबेडकर की महत्वपूर्ण भूमिका तथा उनके द्वारा किए गए ऐतिहासिक योगदानों को स्मरण किया, जिनका प्रभाव आज भी करोड़ों भारतीयों के जीवन में देखा जाता है। उन्होंने शिक्षा के प्रति डॉ. अंबेडकर की प्रतिबद्धता एवं महिलाओं तथा वंचित वर्गों के उत्थान के लिए उनके संघर्षमय जीवन को प्रेरणादायक बताते हुए उनके संदेश—परिश्रम, दृढ़ता और निरंतर प्रयास, को अपनाने का आह्वान किया। अध्यक्ष (बीएसपी एससी/एसटी कमर्चारी संघ) कोमल प्रसाद ने कहा कि उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम उनके बताए मार्ग पर चलें और सामाजिक न्याय एवं नैतिकता पर आधारित जीवन जिएं। कार्यक्रम के प्रारंभ में कायर्कारी कार्यपालक निदेशक एबी श्रीनिवास ने स्वागत उद्बोधन में इस अवसर के महत्व को रेखांकित किया, जबकि महासचिव विजय कुमार रात्रे ने संघ की वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ. अंबेडकर के जीवन एवं शिक्षाओं पर आधारित स्मारिका ह्यनया सवेराह्ण का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। साथ ही, समाज में अंबेडकरवादी मूल्यों एवं शिक्षा के प्रसार में योगदान हेतु श्री अशोक कमाली एवं श्री कमल टंडन को ह्यभीमराव अंबेडकर पुरस्कारह्ण से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत बीएसपी के विभिन्न विद्यालयों के मेधावी छात्र-छात्राओं को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। बीएसपी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सेक्टर-10 की छात्राएं सुश्री स्नेहा ने

बिहार में सियासी भूचाल: नीतीश के संभावित इस्तीफे से सत्ता की नई पटकथा, क्या श्रेयसी सिंह बनेंगी मुख्यमंत्री?

विशेष संवाददाता संदीप सिंह / पटना

बिहार की राजनीति इस समय उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के संभावित इस्तीफे और राज्यसभा जाने से सत्ता के समीकरण पूरी तरह बदल दिए हैं। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि बिहार की बागडोर आखिर किसके हाथ में जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, 14 अप्रैल को सत्ता परिवर्तन की संभावना जताई जा रही है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के भीतर नए फार्मूले पर चर्चा तेज है। इसमें जनता दल (यूनाइटेड)को पहली बार उपमुख्यमंत्री पद दिए जाने की बात सामने आ रही है। साथ ही दो उपमुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष का पद भी जदयू को मिल सकता है, जबकि मुख्यमंत्री का पद भारतीय जनता पार्टी के पास रहने की संभावना है।

मुख्यमंत्री पद की दौड़ में महिला चेहरे

इस राजनीतिक उठापटक के बीच मुख्यमंत्री पद के लिए कुछ नए नाम सामने आए हैं। इनमें सबसे चर्चित नाम है श्रेयांशी सिंह का। इसके अलावा धर्मशिला गुप्ता का नाम भी चर्चा में है।

श्रेयसी सिंहः युवा चेहरा, मजबूत विरासत

श्रेयसी सिंह बिहार सरकार में खेल एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री हैं। उनका जन्म 29 अगस्त 1991 को हुआ। वे न सिर्फ एक राजनेता हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की निशानेबाज भी रह चुकी हैं। उनकी शिक्षा दिल्ली के हंसराज महाविद्यालय और मानव रचना अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय से हुई है।

उनका परिवार लंबे समय से राजनीति और खेल जगत से जुड़ा रहा है—

पिताः दिग्विजय सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री
मांः पुतुल कुमारी, पूर्व सांसद
दादाः कुमार सुरेंद्र सिंह, खेल प्रशासक

राजनीति में तेज उभार -

श्रेयसी सिंह ने वर्ष 2020 में भारतीय जनता पार्टी जॉइन कर जमुई विधानसभा से चुनाव लड़ा और बड़ी जीत हासिल की। इसके बाद उनकी सक्रियता को देखते हुए उन्हें वर्ष 2025 में मंत्री बनाया गया। वे राज्य की सबसे युवा मंत्रियों में गिनी जाती हैं।

जातीय और सियासी समीकरण

बिहार की राजनीति में जातीय संतुलन बेहद अहम होता है। श्रेयसी सिंह का राजपूत समाज से आना भाजपा के लिए एक मजबूत समीकरण माना जा रहा है। साथ ही महिला नेतृत्व को आगे बढ़ाने का संदेश भी इससे जुड़ा है।

अब सबकी नजरें 14 अप्रैल पर टिकी हैं। क्या इस्तीफा देंगे? क्या भाजपा नया चेहरा सामने लाएगी? और क्या श्रेयसी सिंह बिहार की पहली पंक्ति की महिला मुख्यमंत्री बनकर उभरेंगी?

भिलाई नगर विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों के लिए 10.50 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए दुर्ग ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में जनहित के विभिन्न निर्माण कार्यों के लिए कुल 10 लाख 50 हजार रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। विधानसभा क्षेत्र भिलाई नगर विधायक देवेंद्र यादव द्वारा अनुशंसित इन कार्यों का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी आयुक्त, नगर पालिक निगम भिलाई द्वारा किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भिलाई नगर के विभिन्न वार्डों में बुनियादी सुविधाओं और सौंदर्यीकरण के कार्य कराए जाएंगे। इसमें मुख्य रूप से वार्ड क्रमांक 52, स्ट्रीट नंबर 03, सेक्टर 04 स्थित हनुमान मंदिर के पास सार्वजनिक चबूतरा निर्माण एवं सौंदर्यीकरण कार्य हेतु 2.00 लाख रूपए स्वीकृत किए गए हैं।

नगर पंचायत पाटन का 46.39 करोड़ का बजट किया प्रस्तुत

नई दृष्टिबिंदु / पाटन

नगर पंचायत पाटन की परिषद बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले द्वारा कुल 46 करोड़ 39 लाख 73 हजार रुपए का बजट प्रस्तुत किया गया। इस बजट में नगर के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया गया है।

बैठक में प्रस्तुत बजट को नगर के विकास की दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए नगर पंचायत पाटन की सभापति एवं वार्ड क्रमांक 4 अखरा की पार्षद नेहा बाबा वर्मा ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि यह बजट नगर के लिए नई दिशा और गति प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इस बजट के माध्यम से सड़क, नाली, पेयजल, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था जैसी मूलभूत सुविधाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा तथा नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त होगा। नेहा बाबा वर्मा ने आगे कहा कि नगर के समग्र विकास के लिए जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। बजट के प्रभावी क्रियान्वयन से पाटन को एक व्यवस्थित और विकसित नगर के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी पाषर्दो और अधिकारियों के सहयोग से बजट में शामिल योजनाओं को समयबद्ध तरीके से धरातल पर उतारा जाएगा।

परिषद बैठक में अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने वार्डो के विकास से जुड़े सुझाव रखे, जिन पर सकारात्मक चर्चा करते हुए उन्हें बजट में शामिल करने पर विचार किया गया।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम भाजपा की राजनैतिक मजबूरी - कांग्रेस

रायपुर। नारी शक्ति वंदन अधिनियम भाजपा की राजनैतिक मजबूरी है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि कांग्रेस की यूपीए सरकार ने देश की लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं के 33 प्रतिशत आरक्षण की मजबूत नींव रखी थी। कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपीए की चेयरपर्सन सोनिया गांधी महिलाओं को आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध थी। कांग्रेस ने जब राज्यसभा में महिला आरक्षण बिल को प्रस्तुत किया था तब भाजपा और उसके सहयोगी दलों ने उसका विरोध किया था। यह बिल संसद में आज भी जिंदा है, क्योंकि राज्यसभा में पारित बिल कभी समाप्त नहीं होता है। प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि आज भाजपा की मोदी सरकार महिलाओं को आरक्षण देने के बारे में सोच रही है तो इस का कारण भी कांग्रेस पार्टी के द्वारा बढ़ाया गया मजबूत कदम था।

कुलपति प्रो.डॉ. लवली शर्मा के सफलतम एक वर्ष का सफर, पत्रकारों से की चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

राजकुमारी इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो (डॉ.) लवली शर्मा के एक वर्ष के सफलता पूर्वक पूर्ण होने पर कुलपति ने पत्रकारों से चर्चा की,बताई एक वर्ष के सफल कायर्काल की उपलब्धता पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा सर्वप्रथम जब मैं इस पद पर नियुक्त होने के बाद विश्वविद्यालय को आधुनिक, प्रगतिशील और पर्यावरण-सचेत बनाने तथा विश्वविद्यालय को "ए ग्रेड" लाने का संकल्प लिया।।
विश्वविद्यालय में परिसर-01 के कचरों को एकत्रित कर कम्पोस्ट खाद बनाने का कार्य करवाया और उसके लिये टंकी निर्माण कराया। जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य करते हुए वॉटर हार्वेस्टिंग स्थापित कराया।?। विश्वविद्यालय के विभिन्न कक्षाओं की वस्तुस्थिति से अवगत हुईं और आवश्यकतानुसार वहां मरम्मत कार्य एवं नवीन निर्माण का कार्य करवाया।। पिछले वर्ष मई महीने में निःशुल्क 10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कलात्मक शिविर का आयोजन किया गया, जहां नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों ने विभिन्न कलाओं का ज्ञान प्राप्त किया।। कला के विस्तार हेतु विभिन्न संस्थानों के साथ एम.ओ.यू. किये जिसके माध्यम से संस्थाओं के मध्य शिक्षा का आदान-प्रदान किया जा रहा है।।

पीएचडी परीक्षा में पारदशिर्ता, परिणाम उसी दिन

पीएच.डी. परीक्षा में सुधार लाते हुए पारदर्शी तरीके से परीक्षा आयोजित की गई, जिसका परिणाम भी उसी दिन शाम 7 बजे तक घोषित किए गए। अगले दिन परीक्षा में उत्तीर्ण विद्याथिर्यों का साक्षात्कार भी पूरा किया गया।। खैरागढ़ की विरासत को संजोये रखने के लिये सर्वप्रथम कैम्पस-01 स्थित भगवान राधा-कृष्ण की ऐतिहासिक मंदिर, जो वर्षो से बंद था उसे आम नागरिकों के लिये खुलवाया गया। इसके पश्चात दानशील राजा-रानी के महल का प्रथम तल, जो वर्षो से बंद था उसे भी खुलवाकर साफ-सफाई की गई और इसका उपयोग कक्षा संचालन सहित विभिन्न कार्यों के लिये किया जा रहा है।। परीक्षा परिणाम में तेजी लाने हेतु बाहर से विशेषज्ञ बुलाकर शीघ्रता से कॉपियों की जांच कराई गई और पूर्व वर्षो की तुलना इस वर्ष परीक्षा परिणाम शीघ्र जारी किये गये, जिससे विद्याथिर्यों में खुशी देखने को मिली।।

नवाचार के तहत स्नाकोत्तर की पढ़ाई पूर्ण कर 04 विधार्थी का ललीत कला अकादमी में चयन

विश्वविद्यालय में हो रहे नवाचार के तहत स्नातकोत्तर पढ़ाई पूरी कर चुके 4 विद्याथिर्यों का चयन ललित कला अकादमी नई दिल्ली की छात्रवृत्ति के लिये हुआ है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर केन्द्रीत त्रिस्तरीय कायर्शाला का अयोजन किया गया, जिससे बच्चें एन.ई.पी. के प्रमुख उद्देश्य को समझ सके और उसके अनुरूप अपना विषय चयन कर सके। पाक्षिक कार्यक्रम श्रुति मंडल का आयोजन प्रत्येक माह किया जा रहा है, जहां राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कलाकारों के साथ ही विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं विद्याथिर्यों को भी मंच प्रदान किया जा रहा है।। विश्वविद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु विभिन्न विषयों (तबला वादन, सितार वादन, लोक संगीत, कथक, ओडिसी, भरतनाट्यम नृत्य एवं संगीत) के विशेषज्ञ बुलाकर बच्चों को संबंधित विषय का बारीकी से अध्ययन कराया जा रहा है,जिससे उन्हें बेहतर शिक्षा मिल सके।। लोक संगीत एवं कला के संरक्षण हेतु लोक संगीत एवं कला संकाय में प्रत्येक माह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जहां भारतीय संस्कृति एवं लोक कलाओं के संरक्षण में समर्पित महान विभूतियों के जीवनवृत्त से बच्चों को अवगत कराया जा रहा है।

जनजातीय गौरव राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया : दो दिवसीय जनजातीय गौरव राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसके माध्यम से विद्यार्थी जनजातीय समुदाय के संघर्ष व योगदान से अवगत हुये।।। कुलाधिपति एवं राज्यपाल रमेन डेका ने हमारे विश्वविद्यालय को असम के भारतीय लेखक रघुनाथ चैधरी की कांस्य प्रतिमा बनाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी थी, जिसे हमने समय पर पूरा किया।। विश्वविद्यालय के विद्याथिर्यों को नशापान से दूर रखने तथा बेहतर मानसिक स्वस्थ के लिये नशा मुक्ति एवं मानसिक स्वास्थ्य विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया।। महान हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीतज्ञ प. विष्णु नारायण भातखंडे एवं पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर की स्मृति में समारोह का आयोजन किया गया जहां संगीत संकाय के विद्याथिर्यों को प्रतिभा कौशल दिखाने का अवसर मिला। विश्वविद्यालय के ग्रंथालय में पुस्तकों का विशाल भंडार है जिसका लाभ आम नागरिक ले सके इस उद्देश्य से तीन दिवसीय पुस्तक मेला का आयोजन रखा गया,जहां विश्वविद्यालय के विद्याथिर्यों से आमजन इससे लाभान्वित हुए। विश्वविद्यालय द्वारा अपनाए गए 04 गोद ग्राम के लोगों को संगीत एवं कला के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिये विभिन्न कायर्शालाओं एवं कार्यक्रमों का अयोजन समय-समय पर किया जा रहा है और उन्हें प्रेरित किया जा रहा है।

प्रदूषण से हैं परेशान ?

बढ़ता वायु प्रदूषण महानगरों में एक बड़ी समस्या बन कर उभरा है. महानगरों की इस प्रदूषित हवा में नाइट्रोजन ऑक्साइड, ओजोन के खतरनाक कण रहते हैं, जिसके कारण महानगरों में रहने वाले लोगों को कई तरह की बीमारियां होने का खतरा भी रहता है. डॉक्टरों का मानना है कि महानगरों में रहने वाले लोगों के फेफड़ों में इससे सबसे ज्यादा संक्रमण होने की संभावना रहती है। प्रदूषण के कारण फेफड़ों के अंदर वायु प्रवाह भी कम होने लगता है, जिस कारण फेफड़ों के अंदर मकस काफी बढ़ जाता है। यह फेफड़ों को प्रभावी तरीके से बैक्टीरिया और वायरस को फ़िल्टर करने से भी रोकता है। वायु प्रदूषण फेफड़ों के कैंसर का कारण भी बन सकता है। आयुर्वेद के अनुसार इस कारण त्रिदोष में असंतुलन होने की संभावना रहती है। इस कारण हमें कई अन्य बीमारियों भी हो सकती है। गुड़गांव के तनमत्रा आयुर्वेद की डॉक्टर ज्योत्सना मक्कड़ का मानना है कि प्रदूषण के प्रभाव को पूरी तरह रोका नहीं जा सकता है, लेकिन आप अपने जीवन में इन 10 आयुर्वेदिक तरीकों को अपना कर इससे बचाव कर सकते हैं।

अपनाएं ये कारगर उपाय!

नास्य कर्म : नास्य कर्म प्रक्रिया आपके नाक के अंदर की गंदगी को साफ करने में मदद करती है, जिससे आप इस प्रदूषित हवा में शामिल प्रदूषकों के कारण होने वाली एलर्जी को रोक सकते हैं। इस उपचार का लाभ आप पंचकर्मा प्रक्रिया के माध्यम से भी ले सकते हैं, लेकिन इसे सही विशेषज्ञ की सलाह और निगरानी में हीं करना चाहिए। नास्य कर्म प्रक्रिया में हर दिन सुबह में नाक में बादाम के तेल या गाय घी की दो बूंद डालनी होती है। यह न केवल नाक के अंदर गए प्रदूषक कणों को साफ करता है। इसके साथ ही इससे आपकी श्वास प्रणाली में के प्रदूषक कणों को नाक के पार जाने से रोकता है।

तिल का तेल को नाक के अंदर खींचना : हालांकि नाक हमारे शरीर का एक ऐसा अंग है जो हवा में मौजूद प्रदूषको को रोकने के लिए सबसे अधिक प्रभावी फ़िल्टर है। आपको लगभग 15 मिनट तक मुंह में एक चम्मच तिल का तेल डालकर रखना होगा और फिर उसे उगल देना होगा। इस उपाय से आप हानिकारक बैक्टीरिया को साफ कर सकते हैं। साथ ही यह हमारे मुंह के बाहर कई तरह की एलर्जी से लड़ने के लिए मौजूद श्लेष्म स्तर को भी मजबूत करता है।

प्राणायाम और कपाल भाती : यह हमारी श्वास नली को साफ करने और प्रदूषण के दुष्प्रभाव से भी मुकाबला करने में मदद करता है। प्रदूषण से बचाव के लिए आप इन आसनों का नियमित रूप से अभ्यास करें।

अभयंगा ऑयल मसाज : इस उपाय से हमारे त्वचा के अंदर मौजूद उन विषाक्त पदार्थ से छुटकारा पाने में मदद करता है, जो त्वचा में चले जाते हैं। हमारे शरीर को विषाक्त पदार्थ से छुटकारा दिलाने में यह रामबाण साबित हो सकता है। अभयंगा के लगातार प्रयोग आपके शरीर को रोग से लड़ने की क्षमता को बढ़ाता है और आपको हमेशा ऊर्जावान रखता है। आप ऑयल मसाज के लिए तिल के तेल या फिर किसी अन्य आयुर्वेदिक तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

स्वेदना मतलब पसीना बहाने का प्रयास : पसीना बहाने की इस प्रक्रिया को आयुर्वेद में स्वेदना कहा जाता है। सर्वांग (पूरा शरीर) को स्वेदना के माध्यम से जिसमें दशमूल जड़ी बूटी (दस पौधों की जड़ें) का उपयोग किया जाता है। इससे हमारे शरीर के अंदर मौजूद विषाक्त पदार्थ बाहर करने में मदद करता है। इसके अलावा आप फेसियल स्टीम का भी प्रयोग कर सकते हैं। इसके लिए आप गर्म पानी में नीलगिरी ऑयल, तुलसी तेल, चाय के पेड़ का तेल और कैरम के बीज को मिलाकर चेहरे पर भाप ले सकते हैं।

प्रदूषण बढ़ने से अस्थमा और कैंसर का खतरा, जहरीली हवा से बचने के उपाय

दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण से लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है. ऐसे में आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है. यदि आप इस समय जहरीली हवा से बचें तो अस्थमा और कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों को अपने शरीर में प्रवेश करने से रोक सकते हैं। दिल्ली-एनसीआर की हवा में मौजूद नाइट्रोजन ऑक्साइड से अस्थमा और चेस्ट इंफेक्शन के मरीजों को अपनी चपेट लेने के साथ ही स्वस्थ लोगों को भी अपना शिकार बना रहा है। चिकित्सकों के पास ऐसे लोगों की संख्या बढ रही है जिन्हें प्रदूषण से पहले कोई शिकायत नहीं थी। इन लोगों को पिछले कुछ समय से बलगम की शिकायत के साथ ही बुखार अपनी चपेट में ले रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि हवा में प्रदूषण का स्तर बढ़ने से एनओ-टू पार्लिटकल्स खाने की नली के रास्ते शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। ऐसा होने से गले में आमतौर पर खराश और बलगम की शिकायत बनी रहती है। प्रदूषण का बढ़ता स्तर आंख, नाक, गले से होता हुआ फेंफडों, दिल और लिवर तक पहुंचता हुआ हमारी किडनी पर असर डालता है। इसकी जानकारी लंबे समय बाद लगता है। ऐसे में गले में खराश और बलगम की समस्या होने पर डॉक्टर से परामर्श करना चाहिए। हवा में मौजूद पीएम कण सांस और दिल से संबंधित बीमारियों के साथ कैंसर जैसी बीमारी की चपेट में ला सकता है।

प्रदूषण का स्वास्थ्य पर असर : हम जिस हवा में सांस ले रहे हैं उसमें मौजूद कार्बन मोनोऑक्साइड के कारण जल्दी सुस्ती आने लगती है। हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी कम हो जाती है। इसके अलावा आपको भूलने की बीमारी के अलावा गले-फेंफडें के इंफेक्शन व अस्थमा जैसी समस्या होने का भी खतरा रहता है। हवा में प्रदूषण का स्तर बढ़ने पर इस तरह अपना बचाव करें।

हल्दी, अदरक और तुलसी का रस पिएं : वरिष्ठ फिजिशियन डॉ। पीके चतुर्वेदी बताते हैं कि वायु प्रदूषण बढ़ने पर एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर हल्दी, अदरक और तुलसी का रस सुबह में लेना चाहिए। एंटीऑक्सीडेंट से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इसके अलावा इससे शरीर की दूसरी तरह की परेशानियों में भी आराम मिलता है। डॉ। चतुर्वेदी बताते हैं कि एंटीऑक्सीडेंट प्रदूषण की वजह से हमारे शरीर में पहुंचे हानिकारक तत?वों को बाहर निकालते हैं। इस मौसम में तुलसी कर सेवन बेहद फायदेमंद रहता है।

ठंड के दिनों में फ्लू से बचाएगा अदरक

अदरक एक बहुत ही अच्छी जड़ी बूटी है जिसे विश्व भर में मसाले के रूप में प्रयोग किया जाता है। इस मौसम में अदरक खाने से खांसी- जुकाम, बलगम जैसी परेशानियों से बचा जा सकता है। अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अगर आपको भूख नहीं लगती तो अदरक कमाल का असर दिखाएगा। अदरक को बारीक काट कर उसमें थोड़ा-सा नमक मिला लें और रोज एक बार लगातार एक सप्ताह तक थोड़ा-थोड़ा खाएं। आपका पेट भी साफ होगा और भूख भी लगेगी।

कोल्ड, फ्लू जैसी बीमारियों में लाभप्रद होने के अलावा अदरक लूज मोशन और फूड पॉइजनिंग जैसी बीमारियों के लिए भी लाभप्रद है। इसका नियमित सेवन करने से पाचन शक्ति दुरुस्त रहती है। अदरक का नियमित सेवन माइग्रेन के दर्द को कम करता है। पीरियड के दौरान पेट में होने वाली ऐंठन में ब्राउन शुगर और अदरक की चाय पीने से आराम मिलता है। शुगर की शिकायत वाले व्यक्ति अगर नियमित तौर पर अदरक का सेवन करें तो किडनी के नुकसान की आशंका काफी कम हो जाती है। प्रेग्नेंसी के समय होने वाली मॉर्निंग सिकनेस को दूर करने में अदरक वैसे ही प्रभावशाली है, जैसे विटामिन बी-6 की गोली। यह लूज मोशन के दौरान होने वाले नोजिया में भी लाभप्रद है। अदरक एक बेहतरीन दर्दनाशक है। खांसी जुकाम, बुखार और सिरदर्द में इसका सेवन करने से तुरंत आराम मिलता है। हीटबर्न को दूर करने में यह बेहद फायदेमंद औषधि है। ऐसी स्थिति में इसे चाय के रूप में लेना ठीक रहता है। त्वचा को खूबसूरत और चमकदार बनाना चाहते हैं तो रोज सुबह-सुबह खाली पेट अदरक का एक छोटा टुकड़ा गुनगुने पानी के साथ खाएं। इससे आपकी त्वचा निखर उठेगी।

कब्ज से परेशान हैं तो अजवाइन और नींबू के रस में थोड़ा नमक मिला लें। उसमें अदरक मिला कर खाएं, काफी लाभ होगा। अदरक का पाउडर ओवेरियन कैंसर के इलाज में काम आता है। एक शोध में पाया गया है कि अदरक में उपलब्ध तत्व ओवेरियन कैंसर के सेल को खत्म करते हैं।

हेल्थ के साथ वेट को मैनेज करने में काम आती है कॉफी

मोटापा आपकी पर्सनालिटी को बिगाड़ने के साथ-साथ कई सारे गंभीर रोगों का भी शिकार बनाता है. लोग अक्सर अपने मोटापे को दूर करने के लिए जिम में घंटो-घंटो तक पसीना बहाते हैं। साथ ही की लोग तो मोटापे से निजात पाने के लिए मंहगी-मंहगी दवाइयों का सेवन भी करते हैं। जिसका आपकी सेहत पर बाद में बहुत बुरा असर पड़ता है। इसलिए अगर आप भी अपने वजन को लेकर परेशान हैं और कई तरह के उपाय अजमाकर थक गए हैं तो इस कॉफी का सेवन आज से ही शुरू करें। मिनरल्स और विटामिन से भरपूर ग्रीन कॉफी हमारे शरीर में पोषक तत्वों की कमी को पूरा करता है। साथ ही इससे आपका वजन भी ठीक रहता है। ग्रीन कॉफी से आप अपने वजन को बढ़ने से भी रोक सकते हैं। शुगर की मात्रा को कम करने के लिए भी आप ग्रीन कॉफी का सेवन कर सकते हैं। इससे आपका वजन भी कंट्रोल में रहता है। इसके अलावा ग्रीन कॉफी आपके रक्तचाप को भी नियंत्रित करती है। ग्रीन कॉफी के बीन्स में अदिक मात्रा में मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। जो कि शरीर को सभी इन्फेक्शन से दूर रखकर स्वस्थ रखता है। इसके साथ ही अगर दिन में आप कभी एक कॉफी से ज्यादा कॉफी पीते हैं तो इससे आपकी सेहत पर बुरा असर पड़ता है। लेकिन ग्रीन कॉफी को अधिक पीने से सेहत पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता है। क्योंकि ग्रीन कॉफी में अधिक मात्रा में कैफीन नहीं होता है। इसमें न के बराबर कैफीन पाया जाता है। इसके अलावा आपके कोलेस्ट्रॉल को ग्रीन कॉफी कभी बढ़ने नहीं देती है। इसे पीने से ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में बना रहता है। इसके साथ ही आपके ब्लड में प्लेटलेट्स बनाने में भी सहायता करता है।

जिंक युक्त चॉकलेट, चाय से जल्दी नहीं आएगा बुढ़ापा

जिंक को वाइन, कॉफी, चाय और चॉकलेट जैसी खाने-पीने की चीजों में पाए जाने वाले पदार्थों के साथ लिया जाए तो वह ऑक्सिडेटिव स्ट्रेस से बचाने में मददगार साबित हो सकता है. एक अध्ययन में ऐसा दावा किया गया है। जर्मनी की एरलान्जन-न्यूरमबर्ग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने कहा कि बुढ़ापे और जीवन प्रत्याशा घटने के पीछे कुछ हद तक ऑक्सिडेटिव तनाव जिम्मेदार होता है। इस अध्ययन में पाया गया कि जिंक एक जैविक अणु को सक्रिय करता है जो ऑक्सिडेटिव तनाव से बचाने में कारगर है। एरलान्जन-न्यूरमबर्ग यूनिवर्सिटी के इवानोवी बर्माजोव ने कहा, यह निश्चित तौर पर संभव है कि वाइन, कॉफी, चाय या चॉकलेट भविष्य में जिंक के साथ उपलब्ध हों। जिंक एक ऐसा खनिज है जिसकी थोड़ी सी मात्रा की, मनुष्य को स्वस्थ रहने के लिए जरूरत पड़ती है। यह अध्ययन नेचर केमिस्ट्री पत्रिका में प्रकाशित हुआ है।

नारंगी शकरकंद बचा सकता है बच्चों को कुपोषण से

गोरखपुर और संत कबीर नगर जिले के करीब 50 किसान नारंगी शकरकंद की पैदावार कर रहे हैं. ताकि दोनों जिलों के बच्चों में कुपोषण की समस्या को दूर किया जा सके. नारंगी शकरकंद (ओएफएसपी) का गूदा नारंगी रंग का होता है। इसमें विटामिन-ए प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसे जैविक तौर पर पोषण (बायो-फोर्टिफाइड) बढ़ाने की तकनीक से विकसित किया गया है। नारंगी शकरकंद उगाने का विचार गोरखपुर के मूल निवासी रामचेत चौधरी का है। वह एक सेवानिवृत्त कृषि विज्ञानी हैं। वह संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एंव कृषि संगठन के साथ युगांडा में 2006 से 2012 तक एक तकनीकी सहायक विशेषज्ञ के तौर पर काम कर चुके हैं। चौधरी एक गैर-सरकारी संगठन के माध्यम लोगों के बीच नारंगी शकरकंद को लेकर जागरुकता फैला रहे हैं। साथ स्कूलों में बच्चों के भोजन में इस सुपरफुड को शामिल करने की अपील भी कर रहे हैं। चौधरी ने रविवार को को बताया, ''संयुक्त राष्ट्र के साथ युगांडा में काम करते वक्त मैंने नारंगी शकरकंद के बारे में जाना। यह अफ्रीकी देशों की एक कम लागत वाली फसल है और विटामिन-ए और बीटा का मुख्य स्रोत है। इसमें गाजर, पपीता इत्यादि से 150 प्रतिशत अधिक विटामिन-ए होता है। इसलिए इसे सुपरफूड के तौर पर जाना जाता है।'' उन्होंने कहा कि यह पूर्वी उत्तर प्रदेश में कुपोषण से लड़ने में मददगार हो सकता है। अफ्रीका के 24 देशों में यह कुपोषण से निपटने के लिए इस्तेमाल किया जाता है और इसके परिणाम 100 प्रतिशत आए हैं। चौधरी ने कहा, '' 2015-16 में हमने गोरखपुर और संत कबीर नगर में एक सर्वेक्षण किया था। तीन से 12 वर्ष की आयु के 51 प्रतिशत बच्चों में हमने विटामिन-ए की कमी की वजह से आंखों की समस्या पायी।

हमने 2013 में कुछ किसानों की मदद से नारंगी शकरकंद का उत्पादन शुरू किया और 2014 से 2017 में टाटा ट्रस्ट ने हमें वित्तीय सहायता उपलब्ध करायी। '' अभी नारंगी शकरकंद की लागत 30 रुपये प्रति किलोग्राम है। लेकिन यह अभी केवल राम नगर करजहां गांव के पास स्थानीय बाजार में ही उपलब्ध है। गैर-सरकारी संगठन से प्रशिक्षित कुछ महिलाएं इससे 18 तरह के उत्पाद बना रही हैं लेकिन यह अभी भी शहर के बड़े दुकानों में नहीं पहुंच सका है।

काली मिर्च का सेवन करने से कई बीमारियों से रहेंगे दूर

आपकी रसोई में हमेशा मौजूद रहने वाली काली मिर्च सिर्फ मसालों को हिस्सा नहीं है, इसके औषधीय गुण भी हैं। अगर सुबह खाली पेट गुनगुने पानी के साथ काली मिर्च का सेवन किया जाए तो ये हमारे शरीर को बहुत सारे फायदे पहुंचा सकती है। आयुर्वेद में बताया गया है कि सुबह गर्म पानी के साथ कालीमिर्च का सेवन करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। इससे शरीर स्वस्थ बना रहता है। यह शरीर में बाहरी संक्रमण को पहुंचने से रोकती है और कप, पित्त और वायु पर नियंत्रण करती है।

फैट कम करे

काली मिर्च और गुनगुना पानी शरीर में बढ़ा हुआ फैट कम करता है। साथ ही यह कैलोरी को बर्न करके वजन कम करने में भी मदद करता है। इसके अलावा जुकाम होने पर काली मिर्च गर्म दूध में मिलाकर पीने से आराम मिलता है। इसके अलावा जुकाम बार-बार होता है, छीकें लगातार आती हैं तो काली मिर्च की संख्या एक से शुरू करके रोज एक बढ़ाते हुए पंद्रह तक ले जाएं फिर प्रतिदिन एक घटाते हुए पंद्रह से एक पर आएं। इस तरह जुकाम की परेशानी में आराम मिलेगा।

कब्ज दूर करे

कब्ज के रोगियों के लिए पानी के साथ काली मिर्च का सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। इस समस्या से छुटकारा पाने के लिए एक कप पानी में नींबू का रस और काली मिर्च का चूर्ण और नमक डालकर पीने से गैस व कब्ज की समस्या कुछ ही दिनों में ठीक हो जाती है।

नीली रोशनी ब्लड प्रेशर कम करने में मददगार

एक अध्ययन में पाया गया है कि नीली रोशनी के संपर्क में रहने से ब्लड प्रेशर कम होता है जिससे हृदय रोग का खतरा भी कम हो जाता है। यूरोपीयन जर्नल ऑफ प्रीवेन्टेटिव कॉर्डियोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के लिए प्रतिभागियों का पूरा शरीर 30 मिनट तक करीब 450 नैनोमीटर पर नीली रोशनी के संपर्क में रहा जो दिन में मिलने वाली सूरज की रोशनी के बराबर है। इस दौरान दोनों प्रकाश के विकिरण के प्रभाव का आकलन किया गया और प्रतिभागियों का रक्तचाप, धमनियों का कड़ापन, रक्त वाहिका का फैलाव और ब्लड प्लाज्मा का स्तर मापा गया। पराबैगनी किरणों के विपरीत नीली किरणें कैंसरकारी नहीं हैं। ब्रिटेन के सरे विश्वविद्यालय और जर्मनी के हेनरिक हैनी विश्वविद्यालय डसेलडार्फ के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि पूरे शरीर के नीली रोशनी के संपर्क में रहने के चलते प्रतिभागियों के सिस्टोलिक हाई ब्लड प्रेशर तकरीबन 8 एमएमएचजी कम हो गया।

स्टेमिना बढ़ाए

गुनगुने पानी के साथ काली मिर्च का सेवन करने से शरीरिक क्षमता बढ़ती है। साथ ही शरीर में पानी की कमी नियंत्रित होती है।

डिहाइड्रेशन

अगर आपको डिहाइड्रेशन की समस्या है तो काली मिर्च का गुनगुने पानी के साथ सेवन करने से शरीर में पानी की कमी नहीं होती। इससे थकान का अनुभव भी नहीं होता है। इसके साथ ही स्किन में भी रूखापन नहीं आता।

अब आयुर्वेद से होगा डेंगू का इलाज, दवा चल रहा है क्लिनिकल ट्रायल

केंद्रीय आयुष राज्यमंत्री श्रीपद नाइक ने कहा कि डेंगू के इलाज के लिए आयुर्वेदिक दवाओं का क्लिनिकल ट्रायल प्रगति पर है और इसे इस्तेमाल के लिए यथाशीघ्र उपलब्ध कराया जाएगा। आयुष मंत्रालय के सचिव राजेश कोटेचा ने बताया कि यह दवा अगले कुछ वर्षों में बहुस्तरीय परीक्षणों के बाद तैयार होने की उम्मीद है। नाइक ने दिल्ली में आयुर्वेद में उद्यमिता एवं कारोबार विकास पर राष्ट्रीय सम्मेलन से इतर कहा, डेंगू के इलाज के लिए आयुर्वेदिक दवा पर परीक्षण चल रहा है और हम इसे यथाशीघ्र लेकर आएंगे। आयुष मंत्रालय ने चरक संहिता और सुश्रुत संहिता जैसी प्राचीन पुस्तकों को औषद्यीय ज्ञान का भंडार बताते हुए उनकी उद्यमी महत्ता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि यह अलग-अलग बीमारियों के लिए करीब 20 लाख दवाओं का आधार बन सकती हैं। उन्होंने बताया कि मंत्रालय का उद्देश्य आयुर्वेद का आकार बढ़ाने और साल 2022 तक इसका कारोबार तीन अरब डॉलर से 10 अरब डॉलर तक पहुंचाने का है। उन्होंने आयुर्वेद को डिजिटल इंडिया, स्किल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसी मोदी सरकार की पहल से जोड़ने पर जोर दिया। सम्मेलन में मौजूद केंद्रीय मंत्री महेश शर्मा ने बताया कि आयुर्वेद आयुष्मान भारत योजना को देश के लाखों गांवों तक ले जाने का साधन बन सकती है। उन्होंने कहा, आयुर्वेद के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आयुष्मान भारत योजना को देश के छह लाख गांवों तक ले जाना संभव है।

ना कोई था ना कोई है...

आशा भोसले का सुनहरा सफर

आशा भोसले संगीत की दुनिया का एक ऐसा नाम हैं, जिन्होंने अपने गानों के जादू से कई फिल्मों को ऊचाईयों पर पहुंचाया है. उन्हें इंडस्ट्री में वर्सेटाइल सिंगर की उपाधि मिली थी, हालांकि ये मुकाम हासिल कर पाना उनके लिए आसान नहीं रहा है. जहां बड़ी बहन लता मंगेशकर को देशभर में स्वर कोकिला का ताज हासिल हुआ था, वहीं आशा भोसले के लिए अपनी जगह बनाना मुश्किल रहा है, लेकिन इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उनके करियर में सबसे बड़ा रोल प्ले करते हैं ओपी नय्यर.

60 फिल्में, 324 सॉन्ग... ओपी नय्यर के साथ आशा भोसले ने गाए सबसे ज्यादा गाने

आशा भोसले ने 12 अप्रैल, 2026 को दुनिया से अलविदा कह दिया, कई दिनों से वो तबीयत से परेशान थीं. 92 साल की उम्र में उन्होंने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में आखिरी सांसें ली. सिंगर का इस तरह से जाने से इंडस्ट्री में मातम का माहौल छोड़ गया, मानों एक युग ही खत्म हो गया. अपने करियर में उन्होंने 12 हजार से भी ज्यादा गाने गाए हैं. प्रोफेशनल लाइफ के साथ ही साथ आशा ताई ने अपनी पर्सनल लाइफ को भी लेकर खूब सुर्खियां बटीरी थीं.

16 साल की उम्र में आशा ताई ने घर वालों के खिलाफ जाकर गणपतराव भोसले से शादी कर ली थी. दोनों की उम्र में काफी फासला भी था, लेकिन आशा ताई की ये शादी उनके पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ दोनों के ही लिए अच्छी नहीं थी. उन्हें घरेलु हिंसा का सामना करना पड़ा और इन सभी का फर्क उनके संगीत करियर पर भी दिखा. शादी के तनाव और उथल-पुथल भरे इन सालों में आशा का करियर भी कुछ खास आगे नहीं बढ़ रहा था. जबकि, लता इन सालों में कामयाबी के उस शिखर पर पहुंच चुकी थीं.

हालांकि, फिल्म 'परिणीता' और 'बूट पॉलिश' से उनको पहचान मिलनी शुरू हो गई. लेकिन, उन्होंने अपने करियर का सबसे अहम पड़ाव को ओपी नय्यर के साथ देखा. फिल्म 'सीआईडी' के बाद से उन्होंने आशा भोसले के साथ गानों पर काम करना शुरू कर दिया. दोनों ने फिल्म नया दौर में साथ काम किया और दर्शकों को इस फिल्म के गाने खूब पसंद आए थे, इसी फिल्म के जरिए आशा भोसले को लीड रोल की आवाज बनने का मौका मिला.

आशा भोसले ने अपने पूरे संगीत करियर में जिस संगीतकार के साथ सबसे ज्यादा गाने दिए वो ओपी नय्यर ही थी. दोनों ने एक साथ 60 फिल्मों में काम किया था, इन फिल्मों के कुल गानों की बात की जाए, तो वो 324 गाने थे. यानी हर फिल्म में आशा ताई के लगभग 5 से ज्यादा गाने हुआ करते थे. इन फिल्मों में दिए गए गानों के जरिए आशा भोसले म्यूजिक इंडस्ट्री का बड़ा नाम बनी और उन्होंने अलग-अलग अंदाज में अपनी आवाज का जादू बिखेरा।

गाना मिलते ही उनको लगता था कि जवान हो गई... फुल एनर्जेटिक थीं आशा भोसले

दिग्गज गायिका आशा भोसले के निधन से पूरे संगीत जगत में शोक की लहर है. उनके जाने के बाद लगातार कलाकार और संगीत से जुड़े लोग उन्हें याद कर रहे हैं. इसी बीच मशहूर गीतकार समीर अंजान ने भी भावुक होकर अपनी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने आशा जी के साथ अपने लंबे और खास रिश्ते को याद करते हुए गाने को लेकर उनकी मेहनत की तारीफ की और शोक जताया.समीर अंजन ने एएनआई से बातचीत करते हुए बताया, %आज बहुत दुखद खबर मिली, सदी की महान गायिका आशा भोसले जी हमारे बीच नहीं रही. आशा जी का जाना, आवाज की दुनिया की एक सदी का जाना जैसा है. हमारे उनके साथ बहुत गहरे रिश्ते थे और मेरे स्वर्गीय पिता अंजान से उनके रिश्ते बहुत अच्छे थे. मेरे लिए भी उन्होंने बहुत गाने गाए और मेरे पिताजी के अनगिनत गाने गाए. असल में आशा जी एक सिंगर नहीं, बल्कि एक इंस्टीट्यूशन की तरह थी. आज वो हमारे बीच नहीं है, मगर उनकी आवाज सदियों तक हमारे बीच रहेगी. ये म्यूजिक की दुनिया का बहुत बड़ा नुकसान है, जिसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकती है.%

हर भाषा में आशा भोसले ने गाया गाना

उन्होंने आगे बताया, %उन्होंने कवाली, डिस्को, पॉप और गजल सब तरह के गाने गाए है और ऐसी कोई भाषा नहीं होगी, जिसमें उन्होंने नहीं गाया हो. कुछ दिनों पहले वो एक कॉन्सर्ट करके आई थी. 92 की उम्र में किसी का चलना मुश्किल होता है, मगर उनका विल पावर और डेडीकेशन इतना गहरा था कि वो कभी जिंदगी और मौत के बारे में सोचती नहीं थी. जब उन्हें गाना मिलता था तो उन्हें लगता था कि वो फिर से जवान हो गई है. बता दें कि समीर अंजान और आशा भोसले का रिश्ता कई साल पुराना रहा है. समीर के पिता अंजान भी अपने समय के मशहूर गीतकार थे और उनका भी आशा जी के साथ गहरा रिश्ता था. आशा भोसले ने उनके लिखे कई गानों को अपनी आवाज दी, जिससे उनकी पहचान और मजबूत हुई. उनके निधन के बाद हर कोई सदमे में है और उनकी मेहनत और गानों को दिल से याद कर रहा है।

क्या हमने संघर्ष नहीं किया? इंडस्ट्री में काम ना मिलने की शिकायत करने वालों को जब आशा भोसले ने कही थी ये तीखी बात...

दिग्गज गायिका आशा भोसले के निधन के बाद उनके कई पुराने इंटरव्यू और बयान एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं. 92 साल की उम्र में उनके जाने से संगीत जगत में मातम छा गया है. इसी बीच उनका एक बेबाक बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने इंडस्ट्री में काम न मिलने की शिकायत करने वालों को सीधा जवाब दिया था. आशा भोसले ने कहा, देखिए, जिसको अपना काम आता है, न वो ये कभी कहता है कि कोई मुझे गाने नहीं देता है, ये काम करने नहीं देता है. जिसको काम आता है, उसको कॉन्फिडेंस होता है. आपने कभी सुना, लता ने आशा ने लिखा किसी पेपर में कि हमको कोई गाने नहीं देता है. क्या आप समझते हैं हमने नहीं संघर्ष किया है, हमने मेहनत नहीं की है. हमने बहुत यादा मेहनत की है, लेकिन हमने ये नहीं कहा कि हमको कोई गाने नहीं देता है या गवाता नहीं है. ऐसा होता नहीं है. जो हीरा है वो चमकेगा ही. इसी तरह हमारे पास काम है तो हमें काम मिलता है.उन्होंने आगे कहा, मैं अगर आपको कहती हूं कि कल खाना मत खाओ, तो क्या आप खाना नहीं आयेंगी. हमारे कहने से म्यूजिक डायरेक्टर दूसरे सिंगर्स को गाना नहीं देंगे, जरूर देंगे. ये तो शो बिजनेस है और इसमें हर आदमी नई चीजें ढूंढता है. अगर उन्हें नई चीज मिलती है तो वो एक मिनट में सिंगर्स को काम देंगे.

आशा भोसले ने किया था खुद को साबित

बता दें कि आशा भोसले ने अपने करियर में खुद को साबित करने के लिए बहुत संघर्ष और मेहनत किया था. कम उम्र में ही उन्होंने गाना शुरू किया और शुरुआत में उन्हें ऐसे गाने मिले, जिन्हें बड़े सिंगर्स छोड़ देते थे. लेकिन उन्होंने इन्हीं गानों को अपनी ताकत बना लिया. धीरे-धीरे उन्होंने हर तरह के संगीत फिल्मी, गजल, पॉप और क्लासिकल में अपनी अलग पहचान बनाई. उन्होंने कभी हालात को लेकर शिकायत नहीं की, बल्कि अपने काम से जवाब दिया. उनके इस दुनिया से जाने से हर कोई उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दे रहा है और उनके गानों और संघर्षों को याद कर रहा है.

IPL में 'आशा ताई' को ट्रिब्यूट

बॉलीवुड इंडस्ट्री की मशहूर सिंगर और स्वर कोकिला लता मंगेशकर की छोटी बहन आशा भोसले का 92 साल की उम्र में निधन हो गया. आशा भोसले को संगीत विरासत में मिली. जब उन्होंने होश संभावा उस दौरान तो उनकी बड़ी बहन लता का करियर भी शुरू हो गया था. आशा ने भी लता की तरह ही संगीत के जहां में कदम रखा और अपना एक अलग मुकाम हासिल किया. उनके हिस्से एक से बढ़कर एक गाने आए और अपनी हाई रेंज से उन्होंने दुनियाभर की जनता को मंत्रमुग्ध किया और अपनी खुद की पहचान बनाई.

आशा भोसले यूं तो 92 साल की उम्र में भी काफी एक्टिव थीं इसलिए उनके निधन की खबर कई फैंस के लिए एक सदमें की तरह रही. वे मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में एडमिट थीं और मल्टिपल ऑर्गन फेलियर की वजह से उनका निधन हो गया. सिंगर ने 8 दशकों में 20 से यादा भाषाओं में 12,000 से भी यादा गाने गाए और फैंस का भरपूर मनोरंजन किया. अब जब वे इस दुनिया में नहीं रहीं तो दुनियाभर के लोग उन्हें ट्रिब्यूट दे रहे हैं. वहीं मुंबई में चल रहे मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के मैच में भी आशा भोसले को ट्रिब्यूट दिया गयक्रिकेट और बॉलीवुड का नाता बहुत पुराना रहा है और जितना पुराना रहा है उतना ही गहरा भी रहा है. आईपीएल 2026 में बेंगलुरु और मुंबई के मैच के दौरान आशा ताई को भी याद किया गया और इस मौके पर उनके सम्मान में प्लेयर्स काले रंग का आर्मबैंड्स पहने भी नजर आए. इसके अलावा इस मौके पर मैच के दौरान बीच में आशा भोसले को मुंबई के वानखेड़े मैदान में ट्रिब्यूट दिया गया और उनके एक से बढ़कर एक सदाबहार गीत बजते नजर आए.

आशा भोसले ने कई पीढ़ियों के लिए गाने गाए. उसमें से एक गाना उर्मिला मातोंडकर और आमिर खान की फिल्म ओ रंगीला रे का था. ये गाना आशा भोसले ने गाया था और आज भी बहुत पसंद किया जाता है. इसका संगीत ए आर रहमान ने दिया था. गाना बजते ही सभी दर्शकों के बीच एक अलग ही उत्साह नजर आया.मैच के दौरान ऋषि कपूर और नीतू कपूर की फिल्म खेल खेल में का गीत एक मैं और एक तू भी बजा. इस गाने ने भी मैच के बीच में आशा ताई की यादें ताजा कर दीं. आशा ताई का वो औरा ही था जो बताता है कि आखिर इतने सालों बाद भी ये गाना यूथ के बीच कितना पॉपुलर है.मैच के बीच में आशा भोसले को ट्रिब्यूट के तौर पर 1971 में आई जितेंद्र की फिल्म कारवां का गाना पिया तू अब तो आजा भी बजा जिसने पूरे माहौल में जोश भर दिया. इस गाने को आशा भोसले ने गाया था और इसे हेलन पर फिल्माया गया था. आज भी ये गाना जहां भी बजता है माहौल अपने आप बन जाता है.आर सी बी और मुंबई इंडियंस के बीच चल रहे मैच के दौरान अमिताभ बचन और परवीन बॉबी की फिल्म महान का गाना ये दिन तो आता है एक दिन जवानी में भी बजा. ये गाना अपने आप में ही खास है और जहां भी बजता है माहौल बना देता है. गाने में आशा भोसले की एनर्जेटिक वॉइस का कमाल देखने को मिल सकता है. मंगेशकर परिवार के साथ दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की भी खास बॉन्डिंग रही. लता मंगेशकर के निधन पर भी सचिन तेंदुलकर के चेहरे पर उदासी नजर आई थी और अब आशा भोसले के निधन पर भी उनकी आंखें भारी नजर आईं. वे ऋष्क्ष-रूद्ध का मैच देखने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम पर मौजूद थे।

माता-पिता दोनों सुपरस्टार लेकिन बेटी निकली FLOP

बॉलीवुड में इस एक्ट्रेस ने दो दशक पहले अपने कदम रखे थे, हालांकि उन्हें बड़ी और खास पहचान नहीं मिल पाई. जबकि इस एक्ट्रेस के पिता हिंदी सिनेमा के सबसे बड़े दिग्गजों में गिने जाते हैं. उनकी मां की गिनती भी अपने समय की टॉप हसीनाओं के रूप में होती है. वहीं इसके सौतेले भाई भी बड़े सुपरस्टार है. हालांकि ये एक्ट्रेस अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने में नाकाम रही. यहां बात हो रही है ईशा देओल की.दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और सदाबहार अदाकारा हेमा मालिनी की बेटी ईशा देओल 2 नवंबर को 44 साल की हो गई हैं. 2 नवंबर 1981 को उनका जन्म मुंबई में हुआ था. अब तक कई फिल्मों का हिस्सा रह चुकीं ईशा 44 साल की उम्र में अकेली घूम रही हैं. उन्होंने अपने बचपन के दोस्त से शादी की थी, लेकिन एक्ट्रेस का तलाक हो गया था.

2002 में किया था डेब्यू

ईशा देओल ने अपने माता-पिता और सौतेले भाई सनी देओल की राह पर चलते हुए बॉलीवुड में ही करियर बनाया. हालांकि सफलता और लोकप्रियता उनके करीब नहीं आई. एक्ट्रेस ने बतौर एक्ट्रेस अपनी शुरुआत 'कोई मेरे दिल से पूछो' फिल्म से की थी. ये पिक्चर साल 2002 में रिलीज हुई थी. उन्होंने दस, धूम, युवा, नो एंट्री, कैश, चुरा लिया है तुमने, तुम जानो ना हम, कुछ तो है जैसी फिल्मों में भी काम किया था.

ईशा देओल ने अपने बचपन के दोस्त भरत तख्तानी से शादी की थी. बताया जाता है कि भरत पर ईशा महज 13 साल की उम्र में अपना दिल हार बैठी थीं. दोनों ने एक दूसरे को लंबे वक्त तक डेट किया था. वहीं साल 2012 में उन्होंने अपने रिश्ते को नया नाम दे दिया था. 2012 में भरत और ईशा ने धूमधाम से शादी की थी. इसके बाद दो बेटियों मिराया और राध्या का वेलकम किया था।

'हम मौकों को भुनाने में नाकाम रहे', जीटी के खिलाफ हार के बाद बोले कप्तान पंत

लखनऊ। आईपीएल 2026 के 19वें मुकाबले में रविवार को इकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। घरेलू मैदान पर मिली लगातार छठी हार के बाद कप्तान ऋषभ पंत ने माना कि टीम मुकाबले में हाथ आए मौकों को भुनाने में नाकाम रही, जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा। पंत ने मैच के बाद कहा, 'देखिए, रन तो जाहिर तौर पर काफी नहीं थे। इसमें कोई शक नहीं कि उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की। मुझे लगता है कि इस तरह की विकेट पर 170 से 180 का स्कोर वाकई एक अच्छा स्कोर होता। हालांकि, उन्होंने हम पर इतना दबाव बनाया कि विकेट गिरते ही चले गए। देखिए, जैसा मैंने कहा कि इस तरह की विकेट पर 170 से 180 का स्कोर निश्चित रूप से एक अच्छा स्कोर होता। हालांकि, आप जानते हैं कि इसके बावजूद आपके पास मैच में वापसी करने के मौके होते हैं। बस हम उन मौकों को ठीक तरह से भुना नहीं पाए।'

बल्लेबाजी क्रम को लेकर बात करते हुए पंत ने कहा, 'देखिए, यह निश्चित रूप से एक बेहतरीन लाइनअप है। हालांकि, टूनामेंट तो अभी-अभी शुरू हुआ है। हम खिलाड़ियों पर दबाव नहीं डाल रहे हैं, खासकर सीनियर खिलाड़ियों पर, क्योंकि उन्हें पता है कि उन्हें क्या करना है। हां, कई बार ऐसा होता है जब आप अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं, लेकिन कर नहीं पाते।

मगर इसके साथ ही आप जानते हैं कि टीम में एक-दूसरे पर भरोसा और विश्वास काफी है। हमें पता है कि वे जल्द ही फॉर्म में वापस आ जाएंगे। हम हमेशा सकारात्मक रहते हैं।' टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर स्कोरबोर्ड पर 164 रन लगाए। टीम की ओर से सर्वाधिक 30 रन एडेम मार्करम ने बनाए।

विराट कोहली का एक और बड़ा कारनामा, क्रिस गेल का तोड़ा रिकॉर्ड

मुंबई। आईपीएल 2026 के 20वें मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की भिड़ंत रविवार को मुंबई इंडियंस के साथ हो रही है। वानखेड़े के मैदान पर विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए क्रिस गेल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी की टीम को फिल साल्ट और विराट कोहली ने बेहतरीन शुरूआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 10.5 ओवर में ही 120 रन जोड़े। साल्ट के साथ की गई शतकीय साझेदारी के साथ ही कोहली ने क्रिस गेल का रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिया है। विराट टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारी निभाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। साल्ट के साथ मिलकर विराट ने इस मुकाबले में 47वीं बार टी20 क्रिकेट में शतकीय साझेदारी जमाई। वहीं, गेल ने क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में 46 बार शतकीय साझेदारी निभाई है। कोहली-गेल के बाद इस लिस्ट में बाबर आजम भी संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर मौजूद हैं। उन्होंने भी 46 बार 100 रनों से अधिक की साझेदारी की है। साल्ट और कोहली द्वारा की गई 120 रनों की साझेदारी आईपीएल में आरसीबी की तरफ से पहले विकेट के लिए दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी भी है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में आरसीबी की ओर से सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी करने का रिकॉर्ड फाफ डू प्लेसिस और कोहली के नाम दर्ज है, जिन्होंने 2023 में 148 रनों की साझेदारी निभाई थी। साल्ट ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 36 गेंदों में 78 रनों की शानदार पारी खेली। अपनी इस इनिंग में साल्ट ने 216 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 6 चौके और 6 छक्के लगाए। इस मुकाबले के लिए आरसीबी ने अपनी प्लेइंग इलेवन में एक बदलाव किया है। पिछले मैच में 4 ओवर में 44 रन देने के बाद जोश हेजलवुड को मुंबई इंडियंस के खिलाफ टीम में जगह नहीं दी गई है। हेजलवुड के स्थान पर जैकब डफी को टीम में शामिल किया गया है। वहीं, एमआई इस मुकाबले में दो बदलाव के साथ उतरी है।

दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज नितीश राणा पर लगा जुर्माना, कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ने का मामला

चेन्नई। दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के बल्लेबाज नितीश राणा पर एम. ए. चिदंबरम स्टेडियम में शनिवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ हुए मैच के दौरान कोड ऑफ कंडक्ट तोड़ने पर जुर्माना लगाया गया है।

आईपीएल ने एक बयान में कहा कि राणा पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है, साथ ही आईपीएल के खिलाड़ियों के लिए कोड ऑफ कंडक्ट के लेवल 1 को तोड़ने के लिए 1 डिमेरिट पॉइंट भी दिया गया है।

राणा को आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.3 को तोड़ने का दोषी पाया गया, जिसमें ऐसे शब्दों का इस्तेमाल शामिल है जिन्हें आम तौर पर आपत्तिजनक, अश्लील, या अपवित्र (किसी भी भाषा में) माना और समझा जाता है और जिन्हें दर्शक या देखने वाली जनता, चाहे स्टंप माइक्रोफोन से या किसी और तरह से, सुन सकती है।

इस व्यवहार में, उदाहरण के लिए, अपने खेल या किस्मत पर गुस्सा होकर गाली देना शामिल हो सकता है। राणा ने अपनी गलती और मैच रेफरी द्वारा दी गई सजा भी मान ली है। राणा इस मैच का हिस्सा नहीं थे।

घटना 19वें ओवर में हुई जब राणा की चौथे अंपायर से बहुत ज्यादा गर्मी में ट्रिस्टन स्टब्स के ग्लव बदलने के अनुरोध को मना करने पर लंबी बहस हुई। डीसी के हेड कोच हेमांग बदानी भी चौथे अंपायर से बात कर रहे थे।

इसके तुरंत बाद, 19वें ओवर की तीसरी गेंद पर, स्टब्स जेमी ओवरटन की गेंद को मिड-ऑफ के ऊपर से मारने की कोशिश में आउट हो गए। वह वापस चले गए और ड्रेसिंग रूम जाते समय अपना बल्ला और ग्लव्स फेंक दिए।

मैच की बात करें तो, संजू सैमसन के नाबाद 115 रन की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 212 रन बनाए थे। जेमी ओवरटन ने 4 ओवर में 18 रन देकर 4 विकेट लेते हुए दिल्ली कैपिटल्स को 189 रन पर समेटने और सीएसके को 23 रन से सीजन की पहली जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। संजू सैमसन प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटाया जाना चाहिये : पोलार्ड

मुम्बई। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम शुरूआत से ही विवादों में रहा है। साल 2023 से लागू होने के बाद से ही कई दिग्गज खिलाड़ियों ने इसका विरोध करते हुए कहा है कि इससे ऑलराउंडरों को ही नुकसान हो रहा है। ऐसे में इस नियम को हटा दिया जाना चाहिये। वहीं अब मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने भी कहा है कि इम्पैक्ट प्लेयर का विकल्प ऑलराउंडरों की भूमिका को सीमित कर रहा है। इससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर भी विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। पोलार्ड लंबे समय से आईपीएल का हिस्सा हैं। वह 2010 से अलग-अलग भूमिकाओं में आईपीएल से जुड़े रहे हैं और टीम में ऑलराउडर के तौर पर भी शामिल रहे हैं। पोलार्ड ने कहा, मैं इस नियम को पसंद नहीं करता हूं पर इसे हटाना मेरे हाथ में नहीं है। इससे केवल ये हो रहा है कि इसने टी20 क्रिकेट में बड़े स्कोर बन रहे हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी इसके पड़ने वाले असर पर अभी तक मैंने धयान नहीं दिया है। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर होने से केवल तब ही लाभ हो रहा है जब कोई टीम लीग गेम में कुछ विकेट गंवा देती है तो भी उसके पास अधिक रन बनाने का अवसर रहता है। उन्होंने जो लोग इस प्रकार के नियम बना रहे हैं उन्हें यह देखना चाहिये कि क्या यह वास्तव में खेल के लिए अच्छा है, टेलीविजन के लिए अच्छा है, या सिर्फ.लोगों के लिए फायदेमंद है। इम्पैक्ट प्लेयर नियम के साथ, कुछ ऐसे कौशल सेट होत हैं जिनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रयोग नहीं हो रहा है। ऐसें में मेरा मानना है कि उनको इसकी समीक्षा करनी चाहिये। अगर ऐसा नहीं होता हो ये इसी प्रकार जारी रहेगा।

गौरतलब है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित कई खिलाड़ियों ने अलग-अलग मौकों पर इस नियम की आलोचना की है। अक्षर पटेल ने सीजन शुरू होने से पहले कहा, मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं एक ऑल-राउंडर हूं। पहले, आप बैटिंग और बॉलिंग के लिए एक ऑलराउंडर चुनते थे। इस नियम की वजह से, टीम प्रबंधन किसी खास बल्लेबाज या गेंदबाज को रखती है, यह सोचकर कि हमें ऑलराउंडर की क्या जरूरत है ?शुभमन गिल भी इसके विरोध में हैं। उनका कना है कि कोई इम्पैक्ट प्लेयर नहीं होना चाहिए। आम तौर पर क्रिकेट 11 खिलाड़ियों का गेम है।

वैभव सूर्यवंशी में भारत के लिए डेब्यू करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बनने की क्षमताः अरुण धूमल

नई दिल्ली। आईपीएल प्रमुख अरुण धूमल ने 15 साल के विस्फोटक सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की तारीफ करते हुए कहा है कि इस खिलाड़ी में भारत के लिए खेलने वाले सबसे कम उम्र का खिलाड़ी बनने की क्षमता है। हालांकि, धूमल ने कहा कि वह तुरंत कॉल-अप की वकालत नहीं कर रहे हैं। आईएएनएस से बात करते हुए धूमल ने कहा, 'मुझे पता है कि अभी ओपनिंग पोजीशन के लिए कोई स्लॉट खाली नहीं है। हमारे पास अभिषेक, जायसवाल और संजू जैसे खिलाड़ी हैं जो शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सिर्फ 15 साल की उम्र में, मुझे निजी तौर पर लगता है कि उसमें (वैभव सूर्यवंशी) इंडिया के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने वाला भारतीय बनने की क्षमता है। मैं उसे शामिल करने पर जोर नहीं दे रहा हूं, लेकिन चयनकताओं के लिए इतने कम उम्र के टैलेंट को चुनने का यह जिंदगी में एक बार मिलने वाला मौका हो सकता है।' वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में जसप्रीत बुमराह, जोश हेजलवुड, और भुवनेश्वर कुमार जैसे विश्वस्तरीय गेंदबाजों के खिलाफ विस्फोटक बल्लेबाजी कर अपनी क्षमता साबित की है और राष्ट्रीय टीम के चयनकताओं के मन में अपने बारे में सोचने का दबाव बढ़ाया है। सूर्यवंशी, जो पिछले साल आईपीएल नीलामी में साइन किए गए सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनकर सुर्खियों में आए थे, आईपीएल 2026 में जबरदस्त फॉर्म में दिखे हैं। शुक्रवार को गुवाहाटी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ सिर्फ 26 गेंदों पर 78 रन की पारी खेल उन्होंने अपनी टीम राजस्थान रॉयल्स को दमदार जीत दिलायी थी।

फॉर्म में वापस लौटकर अच्छा लग रहा हैः जोस बटलर

लखनऊ। गुजरात टाइटंस के विकेटकीपर-बल्लेबाज जोस बटलर ने रविवार को इकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ शानदार पारी खेलकर फॉर्म में लौटने के बाद राहत महसूस की। उन्होंने बताया कि बेसिक्स पर फिर से ध्यान देने और सही समय पर मिली कुछ सलाह ने उन्हें खराब दौर से उबरने में मदद की।

बटलर ने एलएसजी के खिलाफ शानदार बल्लेबाजी करते हुए महज 37 गेंदों में 60 रनों की दमदार पारी खेली। बटलर ने टी20 क्रिकेट में अर्धशतकों का शतक भी पूरा किया। मैच के बाद बटलर ने कहा. 'हां, यह कुछ समय से चल रहा था। रन बनाकर वापस लौटना अच्छा लग रहा है। जाहिर है कि पिछले कुछ महीनों में मेरा फॉर्म थोड़ा खराब रहा था। इसी कारण फॉर्म में लौटना और टीम की एक और जीत में योगदान देना अच्छा लग रहा है।'

इंग्लैंड के इस स्टार खिलाड़ी ने माना कि खेल से कुछ समय के लिए दूर रहने से उन्हें मानसिक और तकनीकी रूप से खुद को फिर से तैयार करने का मौका मिला। 'मुझे असल में खेल से थोड़ा ब्रेक मिला और सोचने का समय मिला। यह बात अपने

आप मेरे दिमाग में आ गई। मैं यहां जितने हफ्ते रहा हूं, उन हफ्तों में मैंने अपने सेटअप और अपने बेसिक्स पर बहुत ज्यादा ध्यान दिया है।'

बटलर ने बताया कि कुछ छोटी-मोटी तकनीकी कमियों की वजह से गेंद को ट्रैक करने की उनकी क्षमता पर असर पड़ रहा था, जिसे ठीक करने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की। 'मुझे लगता है कि शायद कुछ तकनीकी दिक्कतें मेरे खेल में आ गई थीं, जिनकी वजह से मैं गेंद को ठीक से देख नहीं पा रहा था। इसी वजह से अगर आप गेंद को ठीक से नहीं देख पा रहे हैं, तो यह खेल बहुत मुश्किल हो जाता है। इसलिए मैं गेंद फेंके जाने से पहले की हर चीज पर ध्यान दे रहा था और फिर उसी पर भरोसा कर रहा था। जैसा कि मैंने कहा, मैं 15 साल से खेल रहा हूं। जब मैं मैदान पर उतरूंगा, तो मुझे पता होगा कि मुझे क्या करना है।'

बटलर ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन को भी श्रेय दिया, जिन्होंने उन्हें आसान लेकिन असरदार सलाह दी। 'हेडन असल में शुरूआती कुछ सेशन में मुझसे बस यही पूछा था कि तुम गेंद को कितनी अच्छी तरह देख रहे हो? ऐसा नहीं लग रहा कि तुम गेंद को ठीक से ट्रैक कर पा रहे हो। आप जानते हैं कि उनके जैसे महान खिलाड़ी बहुत ही आसान सलाह देते हैं, जो कि बहुत अच्छी बात है। उनकी सलाह मेरे लिए काफी असरदार रही। मुझे उनके साथ समय बिताना बहुत अच्छा लगा। जाहिर है कि उनकी मौजूदगी बहुत बड़ी है और उनका एक अलग ही प्रभाव है। इसी कारण जब वह बोलते हैं, तो हर कोई उनकी बात ध्यान से सुनता है।'

तेज गेंदबाज अशोक ने अपनी रफ्तार से प्रभावित किया

चंडीगढ़। आईपीएल के इस सत्र में गुजरात टाइटंस टीम से खेल रहे युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने अपनी गेंदबाज से सभी को प्रभावित किया है। अशोक ने इस सत्र की शुरूआत पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से की थी। अशोक ने अपने पहले ही मैच में 140-150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचा है। शोक ने इससे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। उसी के कारण उन्हें आईपीएल के लिए गुजरात ने शामिल किया है। इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज का यहां तक का सफर आसान नहीं रहा। वह कए साधारण परिवार से आये हैं। उन्होंने नेट गेंदबाज के तौर पर राजस्थान रॉयल्स के लिए काम किया है। इसके बाद उन्हें आईपीएल 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 55 लाख रुपए में खरीदा था पर उन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिल सका।

'चेपॉक में शतक बनाना खास, मैं मैदान नहीं छोड़ना चाहता था': संजू सैमसन

चेन्नई। सीएसके के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने शनिवार को चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शतक लगाया। यह आईपीएल 2026 का पहला शतक था, वहीं सैमसन के आईपीएल करियर का चौथा शतक था। हालांकि, सैमसन ने इस शतक को बेहद खास बताया है।

सैमसन ने कहा कि यह शतक इस सीजन से पहले रिकॉर्ड तोड़ने वाले ट्रेड के बाद फ्रेंचाइजी द्वारा उन पर दिखाए गए भरोसे को चुकाने की इच्छा से प्रेरित था।

आईपीएल द्वारा एक्स पर जारी एक वीडियो में सैमसन ने कहा, 'मैंने इस फॉर्मेट में कुछ शतक बनाए हैं, लेकिन यह थोड़ा खास लग रहा है। चेपॉक में घरेलू दर्शकों के सामने शतक बनाना खास है। मेरी शुरूआत ठीक नहीं थी, लेकिन एक बार जब मुझे लगा कि मैं जम गया हूं और सब कुछ ठीक लग रहा है, तो मैं मैदान नहीं छोड़ना चाहता था और बस जितना हो सके उतना योगदान देना चाहता था।'

उन्होंने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो, मुझे लगता है कि मैं बहुत ज्यादा शांत था। एक बहुत अच्छे विश्व कप से बाहर आने से निश्चित रूप से मदद मिलती है। खुद को साबित करने का कोई मतलब नहीं था, लेकिन निश्चित रूप से फ्रेंचाइजी को कुछ वापस देने का एक पॉइंट था।' सैमसन ने उस जिम्मेदारी पर भी जोर दिया जो उन्होंने तब महसूस की जब फ्रेंचाइजी ने अपने स्टार खिलाड़ी रवींद्र जडेजा और सैम करन को बाहर करके उन्हें लाने का ऐतिहासिक कदम उठाया। उन्होंने कहा, 'सीएसके ने मुझ पर भरोसा किया है।

उन्होंने आईपीएल के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा ट्रेड किया है। इसलिए मुझे लगा, 'ठीक है, संजू, तुम्हें अपना हाथ ऊपर उठाकर कहना होगा, मैं तुम लोगों के लिए एक गेम जीतने जा रहा हूं।' वह फीलिंग थी।' सैमसन सीजन के शुरूआती तीन मैचों में फ्लॉप रहे और कुल 22 रन बना सके।

रॉयल्स के मैनेजर रोमी पर कार्रवाई कर सकता है बीसीसीआई

मुम्बई। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के टीम मैनेजर रोमी भिंडर की मुश्किलें बढ़ सकती है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आईपीएल 2026 मैच के दौरान टीम के डगआउट में मोबाइल फोन का उपयोग करना उन्हें भारी पड़ सकता है। इसको लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भी उनपर कार्रवाई कर सकता है। गुवाहाटी में हुए इस मैच में रोमी टीम के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के पास बैठकर मोबाइल चला रहे थे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने भी माना है कि टीम मैनेजर ने नियमों का उल्लंघन किया है।

इस अधिकारी ने कहा, जी हां रोमी ने वास्तव में खिलाड़ियों एवं मैच अधिकारियों के लिए बने प्रोटोकॉल को तोड़ा है क्योंकि मैच के दौरान डगआउट में मोबाइल

आईपीएल के अनुसार, टीम मैनेजर ड्रेसिंग रूम में फोन का उपयोग कर सकता है पर डगआउट में नहीं। रोमी फ्रेंचाइजी की शुरूआत से ही इससे जुड़े हुए हैं और जानकारों का मानना है कि उन्हें भ्रष्टाचार रोधी प्रोटोकॉल के बारे में अच्छी तरह से पता होना चाहिए। अब देखना होगा कि उनपर क्या कार्रवाई होती है।

इस अधिकारी ने कहा, यह अनजाने में भी हो सकता है पर इस पर कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि यह नियमों का उल्लंघन है। चेतावनी दी जाएगी या प्रतिबंध लगाया जाएगा, इसका फैसला मैच रेफरी और भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) की रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा। आईपीएल की संचालन परिषद इस आधार पर फैसला ले सकती है। रोमी को और भी गहन जांच का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि सूर्यवंशी ने मैच के बाद उन्हें अपना स्थानीय

गेंदबाजों के प्रदर्शन से मेरी जिंदगी बहुत आसान हो जाती है: शुभमन गिल

लखनऊ। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने रविवार को इकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ टीम को मिली 7 विकेट की जीत का श्रेय अपने गेंदबाजों को दिया। उन्होंने पावरप्ले और बीच के ओवरों में गेंदबाजों के अनुशासन को विपक्षी टीम को रोकने की मुख्य वजह बताया।

गिल ने टीम के सामूहिक प्रयास की तारीफ करते हुए कहा, 'जिस तरह से हमने पावरप्ले में गेंदबाजी की वह बहुत प्रभावशाली थी। मुझे लगता है कि बीच के ओवरों में गेंदबाजों ने जिस

आप जानते हैं कि इससे मेरी जिंदगी बहुत आसान हो जाती है।' उन्होंने राशिद खान की विशेष तारीफ की और गुजरात टाइटंस के पक्ष में मैच का रुख बदलने की उनकी क्षमता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा, 'जिस तरह से राशिद इस समय गेंदबाजी कर रहे हैं वह हर बार हमें मैच में वापस लाते हैं। जब भी कोई दूसरा गेंदबाज दबाव में होता है, तो वह हमारी मदद करते हैं। इसी कारण बतौर कप्तान मेरी जिंदगी बहुत आसान हो जाती है। वह विकेट लेते हैं, डॉट बॉल डालते हैं और उन्हें मारना बहुत

गिल ने बुनियादी बातों पर टिके रहने के महत्व पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि पहले छह ओवरों में सबसे मुश्किल काम सरल चीजों को करना होता है, क्योंकि कभी-कभी आप खेल में बहुत आगे निकल जाते हैं। इसलिए वापस आना और यह समझना जरूरी है कि इस समय मुझे कौन सी सरल चीजें सही तरीके से करनी हैं।'

गिल ने गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन की सराहना की। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इस मैच में उन्होंने यह बहुत अच्छे से किया।

सटीक था। फिर तीसरे ओवर में जिस तरह से उन्होंने अपनी लेंथ (गेंद की लंबाई) बनाए रखी और सरल चीजें कीं, उससे हम मैच में वापस आ गए। सिराज ने भी अच्छी गेंदबाजी की और मुझे लगता है कि कगिसो रबाडा ने भी कुछ रन दिए, लेकिन मेरे हिसाब से उनकी लेंथ एकदम सटीक थी। वह थोड़े बदकिस्मत रहे। कुछ गेंदें बल्ले से लगकर विकेट पर लगीं और कुछ पर अच्छे शॉट लगे, लेकिन टी20 मैच में ऐसा होता रहता है।' गुजरात टाइटंस के कप्तान ने स्वीकार किया कि मैच के आखिरी ओवरों में टीम ने

प्रदेश में कानून नहीं, जंगलराज चल रहा : दीपक बैज

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

गंभीर घटनाओं में भाजपा नेता संलिप्त, भैरमगढ़ में भाजपा नेता गैंगरेप का आरोपी

पूरे प्रदेश में भाजपा की सरकार में जंगलराज चल रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अपराध का डर, भय खत्म हो गया है। भैरमगढ़ की घटना जिसमें एक नबालिक के साथ सामूहिक दुष्कर्म चिंता का विषय है। इस तरह की घटनाये पूरी प्रदेश में घट रही है। तीन दिन पहले दुर्ग में पांच साल की बच्ची से रेप, अंबिकापुर अधेड़ महिला के साथ रेप और रायपुर में झाड़ी में छुपकर रात काटना पड़ रहा है। भाजपा के कांकेर जिला उपाध्यक्ष पर दुष्कर्म और यौन शोषण का आरोप लगे लगभग 1 महिने हो रहे है, अब तक एफआईआर नहीं लिखी गई, उल्टे पीड़िता पर ऐसा लग रहा छत्तीसगढ़ में सरकार कही भी नही है और छत्तीसगढ़ भगवान भरोसे चल रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि राजधानी में लगातार चाकूबाजी की घटनाएं हो रही है। सरकार और पुलिस आपराधिक घटनाओं को रोक पाने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है। डीएसपी की बेटी, आदिवासी संस्कृति पर कंटेंट बनाने वाली, एक आदिवासी छात्रा निवेदिता मांडवी को सोशल मीडिया पर गैंगरेप की धमकी मिल रही हैं।

आदिवासी मुख्यमंत्री के राज में गुंडे, है, क्या यही कानून का राज है?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भैरमगढ़ की घटना में भाजपा का प्रमुख नेता और कार्यकर्ता शामिल है। पूरे प्रदेश में हर घटना भाजपा का नेता और कार्यकर्ता शामिल रहते है। अफीम की खेती में भाजपा के नेता, बलरामपुर हत्या में भाजपा के नेता, भैरमगढ़ में भाजपा के नेता और प्रदेश के 50 प्रतिशत घटनाओं में भाजपा के नेता और कार्यकर्ता शामिल है। प्रदेश में कानून व्यवस्था बची कहा है? प्रदेश में सत्तारूढ़ दल के संरक्षण में इस तरह की अपराधिक घटनाये घट रही है तो यह चिंता का विषय है।

प्रदेश में नकली पनीर सरकारी लापरवाही

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि प्रदेश के सभी प्रमुख शहरों सहित राजधानी में लगातार बन रही नकली पनीर बेहद चिंता का विषय है। यह सरकार के खाद्य एवं औषधि विभाग की लापरवाही है कि लगातार प्रदेश में नकली पनीर खुलेआम बन रही है और बिक रही है। जानवरो की चर्बी और तेल तथा सोडे से पनीर बनाया जा रहा, सरकार क्या रही है? कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि नकली पनीर के निर्माण और बिक्री पर रोकथाम के लिये सरकार विशेष दल का गठन करें और प्रदेश के किसी भी कोने में बन रही नकली खाद्य सामाग्री पर कड़ाई से रोक लगाई जाये। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि ने कहा कि भाजपा के कुशासन में आम जनता की सेहत भगवान भरोसे है। खाद्य और औषधि विभाग की कार्यवाही केवल नोटिस और चालान तक ही सीमित है। प्रदेश के 33 जिलों के लिये केवल 9 मोबाइल यूनिट है और ये भी विगत 2 वषी से बंद है। इस सरकार के पास इन्हें संचालित करने फंड नहीं है। नकली दूध, खोवा, पनीर एवं अन्य खाद्य पदाथी का धंधा राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद बढ़ गया है। इस बात की संभावना से इंकार नही किया जा सकता कि सत्तारूढ़ दल के संरक्षण के बिना इस प्रकार की गतिविधि संभव नहीं है।प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि ने कहा कि सरकार बताये पिछले कुछ महीनों में जिन नकली पनीर फैक्ट्रियों में छापेमारी की कार्यवाही की गयी थी, वे फिर से किसके संरक्षण में शुरू हो गयी है? इन फैक्ट्रियों के संचालकों के खिलाफ पुलिस ने किन धाराओं के तहत कार्यवाही किया था? वे आसानी से छूट कर फिर उसी प्रकार बेधड़के नकली पनीर बनाना शुरू कर दिये, सरकार क्या कर रही है?

20 अप्रैल तक प्रस्तुत कर सकेंगे दावा-आपत्ति

दुर्ग। जिले में नगरीय निकाय एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन 2026 हेतु मतदाता सूची का प्रारंभिक प्रकाशन कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार, संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों के लिए निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालयों का निर्धारण किया गया है, जहाँ मतदाता सूची का अवलोकन और दावा-आपत्ति की प्रक्रिया संपन्न होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, नगर पालिक निगम भिलाई के अंतर्गत वार्ड क्रमांक 01 (जुनवानी) के लिए तहसील कार्यालय भिलाई को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय बनाया गया है। इसी प्रकार, नगर पालिक निगम रिसाली के वार्ड क्रमांक 02 (रुआबांधा उत्तर) एवं वार्ड क्रमांक 39 (एनएसपीसीएल पुरैना) के लिए नगर पालिक निगम कार्यालय रिसाली को अधिकृत किया गया है। जनपद पंचायत दुर्ग के रिक्त वार्डों तिरगा, भोथली, बोरई, कोटनी, उमरपोटी के लिए जनपद पंचायत कार्यालय दुर्ग, जनपद पंचायत धमधा के वार्डों रूहा, पथरिया, लहंगा, नंदवाय, करेली के लिए जनपद पंचायत कार्यालय धमधा को केंद्र बनाया गया है।

जनपद पंचायत पाटन के अंतर्गत आने वाले वार्डों सुरपा, तुलसी, मानिकचौरी, कसही, गोडपेन्ड्री, भनसुली (के), गोरिद, गातापार और जनपद पंचायत सदस्य क्षेत्र पाहंदा (अ), सांकरा के लिए जनपद पंचायत कार्यालय पाटन को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी कार्यालय निर्धारित किया गया है। मतदाता सूची के इस प्रकाशन के पश्चात, नागरिक अपनी आपत्तियाँ या नाम जुड़वाने हेतु आवेदन 20 अप्रैल 2026 सोमवार, अपरान्ह 3.00 बजे तक जमा कर सकते हैं। इसके लिए पात्र व्यक्ति संबंधित वार्डों में स्थापित मतदान केंद्रों पर जाकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं।

शादी में बवाल, दूल्हे की गाड़ी रोककर नकली बंदूक से धमकाने का वीडियो वायरल

नई दृष्टिबिंदु / सारंगढ़

बिलाईगढ़ थाना क्षेत्र के नवापारा गांव में एक शादी समारोह के दौरान बवाल का मामला सामने आया है। दूल्हे की गाड़ी को रोककर नकली बंदूक से धमकाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई है। मामले को लेकर बिलाईगढ़ थाना प्रभारी राजेश चंद्रवंशी ने स्पष्ट किया है कि वायरल वीडियो में दिखाई दे रही बंदूक नकली है। हालांकि, घटना के बाद कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं और पुलिस की कार्रवाई पर भी चर्चा तेज हो गई है।

इधर, इस घटना को लेकर देवेंद्र यादव अपडेट नामक फेसबुक पेज पर पोस्ट साझा कर छत्तीसगढ़ सरकार पर निशाना साधा गया है। सोशल मीडिया पर इसे लेकर राजनीतिक बयानबाजी भी शुरू हो गई है।

घटना में आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई नहीं होने पर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

नंदिनी नगर में मनाई गई अंबेडकर जयंती, सामाजिक एकता का दिया संदेश

नई दृष्टिबिंदु / नंदिनी अहिवारा

नंदिनी नगर बीएसपी हॉस्पिटल के समीप 14 अप्रैल को भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पूरे उत्साह, श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, युवाओं एवं महिलाओं ने भाग लेकर बाबासाहेब के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। सुबह से ही कार्यक्रम स्थल पर लोगों का जुटना शुरू हो गया था। उपस्थित जनों ने बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान वक्ताओं ने उनके जीवन संघर्ष, संविधान निर्माण में उनके अमूल्य योगदान तथा सामाजिक न्याय और समानता के सिद्धांतों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन हमें शिक्षा, संगठन और संघर्ष के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उनके विचार आज भी समाज को दिशा देने वाले हैं। कार्यक्रम में समाज के सभी वर्गों की भागीदारी ने सामाजिक समरसता और एकता का मजबूत संदेश दिया। इस अवसर पर रवि शंकर सिंह, भूपेंद्र सिंह, जनबंधु, विद्यानंद कुशवाहा, उमेश पासवान, पुरुषोत्तम वर्मा, वकील तांडी, दयाशंकर तिवारी, राजा शिवाले, शोभा शर्मा, संध्या नायक, ममता एवं नुमिता देवांगन सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

फर्जी मैट्रिमोनियल साइट से साइबर ठगी का बड़ा खुलासा : मास्टरमाइंड सहित गिरोह पर कार्रवाई

मौके से लैपटॉप, फर्जी दस्तावेज, शासकीय सील-मुहर सहित कई महत्वपूर्ण साक्ष्य जब्त

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशिमोहन सिंह मौके पर खुद पहुंचे।

ऑनलाइन मैट्रिमोनियल साइट के नाम पर चल रहे बड़े साइबर ठगी गिरोह का रायगढ़ पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। लोक सेवा केंद्र की आड़ में संचालित इस रैकेट में मास्टरमाइंड सहित पूरी टीम को चिन्हित कर कार्रवाई की गई है। पुलिस ने मौके से लैपटॉप, फर्जी दस्तावेज, शासकीय सील-मुहर सहित कई महत्वपूर्ण साक्ष्य जब्त किए हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह को मिली सूचना के आधार पर एडिशनल एसपी अनिल सोनी, नगर पुलिस अधीक्षक मयंक मिश्रा के नेतृत्व में साइबर थाना और महिला थाना की संयुक्त टीम ने दरोगापारा स्थित निधि परिवहन केंद्र पर छापा मारा। जांच में सामने आया कि केंद्र संचालक कपिल गर्ग, जिसकी लोक सेवा केंद्र आईडी एक माह पूर्व निरस्त हो चुकी थी, वहां फर्जी मैट्रिमोनियल प्लेटफॉर्म चला रहा था।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि इंडिया मैट्रिमोनी नाम से नकली प्लेटफॉर्म बनाकर लोगों को विवाह प्रस्ताव के नाम पर जाल में फंसाया जाता था। गिरोह में शामिल युवतियां फर्जी जीमेल आईडी और मोबाइल नंबरों के जरिए यूट्यूब चैनल संचालित कर फेक प्रोफाइल के वीडियो और फोटो अपलोड करती थीं। इन प्रोफाइल के माध्यम से संपर्क करने वाले लोगों से पहले बायोडाटा लिया जाता और फिर रजिस्ट्रेशन फीस के नाम पर यूपीआई से रकम वसूली जाती थी।

इसके बाद पसंद की गई प्रोफाइल से बातचीत कराने और मीटिंग आईडी जनरेट करने के नाम पर फिर से पैसे लिए जाते थे। व्हाट्सएप के जरिए क्यूआर कोड भेजकर भुगतान कराया जाता और अंत में यह कहकर संपर्क तोड़ दिया जाता कि संबंधित युवती को रिश्ता पसंद नहीं है। इसके बाद गिरोह नए शिकार की तलाश में लग जाता था।

कपिल गर्ग से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने दरोगापारा स्थित एक अन्य केंद्र, श्रीमती शांति देवी सोसायटी ऑफ एजुकेशन पर भी दबिश दी। यहां की संचालिका हिमांशु मेहर ने पूछताछ में बताया कि वह पिछले तीन वर्षों से इस नेटवर्क से जुड़ी हुई है और उसके कार्यालय से भी इसी तरह युवतियों के माध्यम से लोगों से संपर्क कर ठगी की जा रही थी।

निधि परिवहन केंद्र की तलाशी के दौरान पुलिस को लैपटॉप में फोटोशॉप सॉफ्टवेयर के जरिए दस्तावेजों में छेड़छाड़ के प्रमाण मिले। साथ ही विभिन्न शासकीय विभागों की सील और मुहर भी बरामद की गई हैं, जिससे इस गिरोह की गतिविधियों की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

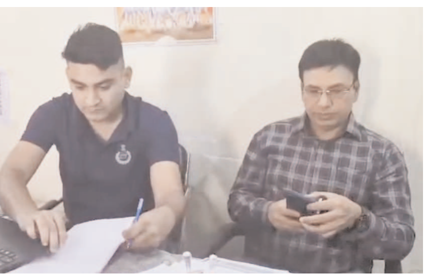

कांगजी कार्रवाई करते हुए पुलिस अधिकारी।

पुलिस ने मामले में दोनों केंद्रों के संचालकों और शामिल युवतियों से पूछताछ शुरू कर दी है तथा पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह ने आम नागरिकों से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध मैट्रिमोनियल या सोशल मीडिया प्रोफाइल से सावधान रहें और इस प्रकार की ठगी की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने स्पष्ट किया कि साइबर अपराध करने वालों के खिलाफ कड़ी वैधानिक कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

टेंट व्यवसायी सुरेश चौहान की हत्या से कोंडागांव में सनसनी, मिट्टी में दबा मिला शव

नई दृष्टिबिंदु / कोंडागांव

जिला मुख्यालय कोंडागांव में टेंट व्यवसायी सुरेश चौहान की हत्या से शहर में सनसनी फैल गई है। शिरोमणि डेकोरेट टेंट के संचालक और सामाजिक रूप से सक्रिय सुरेश चौहान का शव शहर से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर मिट्टी में दबा हुआ मिला है। पुलिस ने मामले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ जारी है।

जानकारी के अनुसार, सुरेश चौहान पिछले कुछ दिनों से लापता थे, जिस पर परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने जांच शुरू की और शहरभर के करीब 150 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। इसी दौरान विकास नगर ग्राउंड में खून से सनी उनकी बाइक बरामद हुई, जिससे मामला हत्या की दिशा में मुड़ गया।

तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में मिले सुराग के आधार पर पुलिस हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के पीछे एक खेत तक पहुंची, जहां मिट्टी में दबा सुरेश चौहान का शव बरामद किया गया। शव मिलने के बाद शहर में दहशत का माहौल है।

प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि हत्या शहर के भीतर ही की गई और साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को बाहर ले जाकर दफनाया गया। मृतक के पास सोने की चेन, अंगूठी और नकदी होने की जानकारी के आधार पर लूट के इरादे से हत्या की संभावना भी जताई जा रही है।

बताया जा रहा है कि सुरेश चौहान को दंतेवाड़ा में टेंट का बड़ा ऑर्डर मिला था और वे वहां जाने की तैयारी कर रहे थे। उनके परिवार में दो बेटियां और एक बेटा हैं। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और वे आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि गिरफ्तार संदिग्ध से पूछताछ जारी है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

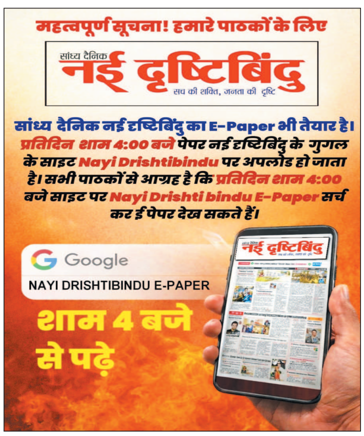

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100